दैनिक
# साधना एक्सप्रेस

वर्ष-3 | अंक - 117 | sadhnaexpress@gmail.com भोपाल, शुक्रवार, 18 अप्रैल, 2025 पृष्ठ-8 | मूल्य - 2 रुपये www.sadhnaexpress.com

## भोपाल के केरवा गिद्ध प्रजनन केंद्र से 6 गिद्ध प्राकृतिक वातावरण में छोड़े गए

# मध्यप्रदेश में गिद्ध संरक्षण को मिल रही नई दिशा: मुख्यमंत्री डॉ.यादव

• भोपाल, प्रतिनिधि

भोपाल | मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में वन्य जीव पर्यटन में नए आयाम जुड़ रहे हैं। पारिस्थितिकी तंत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले गिद्धों का संरक्षण न केवल जैव विविधता की रक्षा के लिए आवश्यक है, अपितु पर्यावरण संतुलन बनाए रखने की दृष्टि से भी अनिवार्य है। प्रदेश में गिद्ध संरक्षण को भी नई दिशा दी जा रही है। भोपाल स्थित केरवा गिद्ध प्रजनन केन्द्र से 6 गिद्धों को बुधवार को पहली बार प्राकृतिक वातावरण में छोड़ा गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि राज्य सरकार ने गिद्धों सहित अन्य पशु पक्षियों की संकटग्रस्त प्रजातियों के संरक्षण के लिए सतत प्रयास किए हैं। एशिया से लुप्त हो रहे चीतों के पुनर्वास के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दक्षिण अफ्रीका के देशों से चीते लाकर कूनो अभ्यारण में उनका संरक्षण एवं संवर्धन किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्राकृतिक वातावरण में छोड़े गए गिद्धों पर जीपीएस ट्रैकर लगाए गए हैं,जिससे उनके आवागमन, व्यवहार एवं सुरक्षा की सतत निगरानी सुनिश्चित की जा सके।

## न्यूज ब्रीफ

### अगले सप्ताह अमेरिका जाएंगे लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, ब्राउन यूनिवर्सिटी में देंगे भाषण

नई दिल्ली, एजेंसी | खेड़ा के अनुसार, अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान गांधी प्रवासी भारतीयों (एनआरआई) और इंडियन ओवरसीज कांग्रेस (आईओसी) के पदाधिकारियों और सदस्यों सहित भारतीय प्रवासियों के सदस्यों से भी मुलाकात करेंगे।

लोकसभा में विपक्ष के नेता और वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी 21 और 22 अप्रैल को अमेरिका की यात्रा पर जाने वाले हैं। यात्रा के दौरान, गांधी रोड आइलैंड में ब्राउन विश्वविद्यालय में एक व्याख्यान देंगे और संस्थान के शिक्षकों और छात्रों से मिलेंगे। कांग्रेस के मीडिया और प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने एक्स पर घोषणा की, 'पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी 21 और 22 अप्रैल को रोड आइलैंड, संयुक्त राज्य अमेरिका में ब्राउन विश्वविद्यालय का दौरा करेंगे। वह एक व्याख्यान देंगे और संकाय सदस्यों और छात्रों के साथ बातचीत करेंगे।'

खेड़ा के अनुसार, अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान गांधी प्रवासी भारतीयों (एनआरआई) और इंडियन ओवरसीज कांग्रेस (आईओसी) के पदाधिकारियों और सदस्यों सहित भारतीय प्रवासियों के सदस्यों से भी मुलाकात करेंगे। आगामी यात्रा 8 से 10 सितंबर तक अमेरिका की उनकी पिछली यात्रा के बाद हो रही है, जहां उन्होंने टेक्सास विश्वविद्यालय में छात्रों और शिक्षाविदों को संबोधित किया था और टेक्सास और वाशिंगटन डीसी में भारतीय प्रवासियों के सदस्यों के साथ बातचीत की थी।

### वक्फ अधिनियम की याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, केंद्र सरकार को दिया सात दिन का समय? जानिए क्या कहा सुप्रीम कोर्ट ने

नयी दिल्ली, एजेंसी | उच्चतम न्यायालय ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता के खिलाफ दायर याचिकाओं पर जवाब देने के लिए केंद्र सरकार को बृहस्पतिवार को सात दिन का समय दिया। न्यायालय ने साथ ही यह भी कहा कि इस बीच केंद्रीय वक्फ परिषद और बोर्डों में कोई नियुक्ति नहीं होनी चाहिए। केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने उच्चतम न्यायालय से अनुरोध किया कि उन्हें कुछ दस्तावेजों के साथ प्रारंभिक जवाब देने के लिए एक सप्ताह का समय दिया जाए, जिसके बाद अदालत ने उन्हें वक्त दिया। न्यायालय ने कहा कि मामले में इतनी सारी याचिकाओं पर विचार करना असंभव, केवल पांच पर ही सुनवाई होगी। याचिकाओं पर बृहस्पतिवार को सुनवाई के दूसरे दिन प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना ने कहा कि यदि किसी वक्फ संपत्ति का पंजीकरण 1995 के अधिनियम के तहत हुआ है तो उन संपत्तियों को नहीं छेड़ा जा सकता। वहीं, केंद्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय को आश्वासन दिया कि वह अगली सुनवाई तक 'वक्फ बाय डीड' और 'वक्फ बाय यूजर' को गैर-अधिसूचित नहीं करेगा। सुनवाई के बाद उच्चतम न्यायालय ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की वैधता के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई के लिए पांच मई की तारीख तय की।

## सिकल सेल खत्म करने में हर व्यक्ति का सहयोग जरूरी : राज्यपाल श्री पटेल

» प्रयोग शाला चिकित्सा शोध में क्रांति का सूत्रपात

» राज्यपाल द्वारा बीएमएचआरसी में डीएनए सिक्वेंसर मशीन लोकार्पित

• भोपाल, प्रतिनिधि

भोपाल | राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि सिकल सेल खत्म करने में हर व्यक्ति का सहयोग जरूरी है। सरकार और समाज की सहभागिता से ही सिकल सेल रोग का उन्मूलन होगा। सिकल सेल की जांच, उपचार, औषधि एवं जेनेटिक कार्ड वितरण में सरकार अच्छा कार्य कर रही है। समाज को भी आगे आना होगा। वर्ष 2047 में कोई भी बच्चा सिकल सेल रोग के साथ जन्म नहीं ले। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए हर व्यक्ति को "मेरा भी योगदान हो", इस भाव के साथ सिकल सेल उन्मूलन में जुड़ना होगा। उन्होंने बी.एम.एच.आर.सी. के सिकल सेल उन्मूलन प्रयासों में डीएनए सिक्वेंसर मशीन प्रयोग शाला की स्थापना को सकारात्मक पहल बताते हुए सराहना की है।

राज्यपाल श्री पटेल भोपाल मेमोरियल अस्पताल एवं अनुसंधान केन्द्र में आयोजित सिकल सेल पर केन्द्रित संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। संस्थान द्वारा संगोष्ठी का आयोजन आनुवंशिक विश्लेषण प्रयोगशाला के लोकार्पण अवसर पर किया गया था। इससे पूर्व राज्यपाल श्री पटेल ने आनुवंशिक विश्लेषण प्रयोगशाला का लोकार्पण और अवलोकन किया। रोगियों को किट प्रदान की। बीएमएचआरसी के सक्षमता केन्द्र से दिग्दर्शिका के प्रकाशन का लोकार्पण किया।

## बिछिया नदी के उद्गम स्थल को जीवंत बनाये रखने में ग्रामवासी सहभागी बनें - ग्रामीण विकास मंत्री श्री पटेल

» ग्रामीण विकास मंत्री ने बिछिया नदी के उद्गम स्थल पर की पूजा-अर्चना

» पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री ने ग्रामीणों से किया जन संवाद, ग्रामसभा में हुए सम्मिलित

• भोपाल, प्रतिनिधि

भोपाल | पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने मऊगंज जिले के खैरा ग्राम में बिछिया नदी के उद्गम स्थल में पूजा-अर्चना की। उन्होंने जल गंगा संवर्धन अभियान में आयोजित कार्यक्रम में नदी के उद्गम स्थल पर पुष्प अर्पित कर दुग्ध अभिषेक किया।

जन भागीदारी से जल संचयन के संकल्प के उद्देश्य से आयोजित कार्यक्रम में मंत्री श्री पटेल ने ग्रामीणजनों से संवाद करते हुए ग्रामसभा का शुभारंभ किया। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि बिछिया नदी के उद्गम स्थल में फेंसिंग कराकर वर्षाकाल में पौध-रोपण करें। उन्होंने कहा कि खैरा की पुण्य भूमि नदी का उद्गम स्थल है। यहाँ के निवासियों को भू-जल स्तर बनाये रखने के लिए इसे हरा-भरा बनाना होगा। पौध-रोपण से आने वाली पीढ़ी का भविष्य संवरेगा। भू-जल स्तर में आ रही कमी व जल संकट को चुनौती के तौर पर स्वीकार करते हुए इससे निपटने के लिए समवेत होने का उन्होंने आहवान किया।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि इस वर्ष तीन माह तक जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है। जल संरक्षण व संवर्धन के कार्य प्राथमिकता से कराए जाकर पौध-रोपण की तैयारी व पुराने जल स्त्रोतों के संरक्षण व पुनर्रुद्धार के कार्य इस दौरान किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी पंचायतों में भवन बनाने, सामुदायिक भवन निर्माण व जनपद पंचायतों के भवन निर्माण के कार्य कराए जाएंगे। श्री पटेल ने कहा कि पंचायतों के कार्य की प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए। विभिन्न मदों से प्राप्त होने वाली राशि से पंचायतों में आवश्यकतानुसार कार्य कराए जाएं तथा आवास प्लस की सूची में पात्र हितग्राहियों के नाम शामिल कराएं।

## स्कूल शिक्षा की गुणवत्ता के लिये विद्यार्थियों से जुड़े सभी कार्य निर्धारित कैलेण्डर के अनुसार पूरे हों : स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह

» लोक शिक्षण संचालनालय में हुई समीक्षा बैठक

• भोपाल, प्रतिनिधि

भोपाल | स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि प्रदेश में स्कूल शिक्षा की गुणवत्ता के लिये विद्यार्थियों से जुड़े सभी कार्य निर्धारित कैलेण्डर में पूरा किया जाना सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने शिक्षकों की उपस्थिति के लिये ऑनलाइन व्यवस्था की प्रशंसा की। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि ऑनलाइन शिक्षकों की अटेंडेंस को पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर उज्जैन और नरसिंहपुर जिले में तत्काल लागू किया जाये। मंत्री श्री सिंह गुरूवार को लोक शिक्षण संचालनालय में विभागीय अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में सचिव स्कूल शिक्षा श्री संजय गोयल, आयुक्त लोक शिक्षण श्रीमती शिल्पा गुप्ता, संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र श्री हरजिंदर सिंह, पाठ्य पुस्तक निगम के एमडी श्री विनय निगम विशेष रूप से उपस्थित थे।

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने विभाग में लंबित अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों के निराकरण में संवेदनशील रूख रखने के निर्देश दिये। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि स्कूल शिक्षा से जुड़ी केन्द्रीय योजनाओं में राज्य को मिलने वाली राशि को प्राप्त करने के लिये विशेष पहल की जाये। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि विभाग में ऐसी व्यवस्था की जाये कि सेवानिवृत्त होने के बाद शिक्षकों और कर्मचारियों के स्वत्वों का भुगतान समय पर हो जाये। जन-प्रतिनिधियों से प्राप्त होने वाले पत्र पर विभाग की ओर से शीघ्र कार्यवाही पत्र भेजने की व्यवस्था की जाये।

## किसानों के लिए बड़ी खबर! 770 अन्नदाताओं पर लगा 17 लाख का जुर्माना, कई के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज

• भोपाल, प्रतिनिधि

इंदौर | मध्यप्रदेश के इंदौर जिले में प्रशासन ने खेतों में पराली जलाने वाले किसानों पर सख्त कदम उठाने पर बात की है. अगर कोई फिर भी पराली जलाता है तो उस कर तगड़ा जुर्माना लगाया जाएगा.

मध्यप्रदेश के इंदौर जिले में प्रशासन ने खेतों में पराली (फसल अवशेष) जलाने की घटनाओं को लेकर सख्त कदम उठाते हुए किसानों पर तगड़ा जुर्माना लगाने के साथ ही खेत मालिकों के खिलाफ केस दर्ज कराना शुरू कर दिया है. अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी.

### चार दिनों में 770 किसानों को जुर्माना लगाया

जिलाधिकारी आशीष सिंह ने मीडिया को बताया, ''हम खेतों में पराली जलाने वाले लोगों के खिलाफ नियम-कायदों के तहत सख्त कार्रवाई कर रहे हैं.'' उन्होंने बताया कि आस-पास के गांवों में पराली जलाने से इंदौर की वायु पर बुरा असर भी पड़ रहा है जिसे देश के सबसे साफ शहर का दर्जा हासिल है. प्रशासन के एक और अधिकारी ने बताया कि जिले में पराली जलाने को लेकर पिछले चार दिनों के भीतर 770 किसानों पर कुल 16.71 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है.

## आप अपने देश में कुछ और कहते हैं और सऊदी-दुबई में जाकर मुसलमानों से मिलते हैं, वक्फ कानून को लेकर ममता बनर्जी का पीएम मोदी पर कटाक्ष

बनर्जी की यह टिप्पणी पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में तनाव के बीच आई है, जहां हिंसा में तीन लोगों की मौत हो गई थी। राज्य पुलिस ने हिंसा की घटनाओं की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है।

• कोलकाता, एजेंसी

कोलकाता | पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर परोक्ष रूप से कटाक्ष करते हुए उन पर मुसलमानों के खिलाफ होने लेकिन पश्चिम एशियाई देशों में उनका आतिथ्य प्राप्त करने का आरोप लगाया। एएनआई ने मुस्लिम मौलवियों के साथ एक बैठक में सभा को संबोधित करते हुए बनर्जी के हवाले से कहा कि आप मुसलमानों के खिलाफ हैं, लेकिन सऊदी अरब में आप मुसलमानों से मिलते हैं। यदि आप दुबई, संयुक्त अरब अमीरात जाते हैं, तो आप वहां किसका आतिथ्य लेते हैं। आप अपने देश में कुछ और कहते हैं और बाहर कुछ और। उन्होंने भारत समूह से वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ एकजुट रहने और एक साथ लड़ने की अपील की, जिसके पारित होने पर विपक्ष की ओर से कड़ी आपत्तियां और विरोध देखा गया है।

ममता बनर्जी ने कहा कि आइए हम एकजुट रहें और साहसपूर्वक मिलकर लड़ें। यह कोई व्यक्तिगत मामला नहीं है; इसका असर हर किसी पर पड़ेगा। आज ये आपके खिलाफ हो रहा है. कल ये किसी और के ख़िलाफ़ होगा। अब वे यूसीसी लाना चाहते हैं। बनर्जी की यह टिप्पणी पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में तनाव के बीच आई है, जहां हिंसा में तीन लोगों की मौत हो गई थी। राज्य पुलिस ने हिंसा की घटनाओं की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है।

एसआईटी में एक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (खुफिया शाखा), दो उपाधीक्षक - एक काउंटर इंसर्जेंसी फोर्स (सीआईएफ) से और दूसरा आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) से - पांच निरीक्षक (चार सीआईडी से और एक ट्रैफिक पुलिस से) और सुंदरबन पुलिस जिले के तहत साइबर अपराध पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी शामिल हैं।

## सीआरपीएफ की अमित शाह ने जमकर की सराहना, बोले- 31 मार्च 2026 तक देश से खात्मा हो जाएगा नक्सलवाद

• नीमच, एजेंसी

नीमच | शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद का खात्मा हो जाएगा और सीएपीएफ तथा सीआरपीएफ, खासकर इसकी कोबरा (कमांडो बटालियन फॉर रेजोल्यूट एक्शन) इकाई इसमें अहम भूमिका निभाएगी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद का खात्मा हो जाएगा और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) तथा सीआरपीएफ इसमें अहम भूमिका निभाएंगे। वह मध्य प्रदेश के नीमच जिले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 86वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद का खात्मा हो जाएगा और सीएपीएफ तथा सीआरपीएफ, खासकर इसकी कोबरा (कमांडो बटालियन फॉर रेजोल्यूट एक्शन) इकाई इसमें अहम भूमिका निभाएगी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नीमच में 86वें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल दिवस समारोह में परेड दल का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि देश के किसी भी हिस्से में जब अशांति होती है, तो गृहमंत्री के नाते जब मुझे पता चलता है कि वहां सीआरपीएफ के जवान हैं, तो मुझे बहुत सुकून मिलता है, मैं अपने दूसरे काम भी करता हूं क्योंकि मुझे भरोसा है कि अगर सीआरपीएफ के जवान हैं, तो सीआरपीएफ के जवानों की जीत निश्चित है। चाहे कश्मीर घाटी में आतंकवादियों से लड़ना हो या पूर्वोत्तर में शांति बनाए रखने के लिए मौजूद रहना हो, और सबसे महत्वपूर्ण नक्सलवादियों को सिर्फ चार जिलों तक सीमित करना हो - इन सभी चीजों में सीआरपीएफ के जवानों का बहुत बड़ा योगदान है।

समारोह में शामिल होने से पहले शाह ने सीआरपीएफ के शहीद वीरों को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव भी मौजूद थे। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह कार्यक्रम सीआरपीएफ के 86वें स्थापना दिवस समारोह का हिस्सा है। सीआरपीएफ दिवस हर साल 19 मार्च को मनाया जाता है, क्योंकि 1950 में इसी दिन तत्कालीन गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने बल को ध्वज सौंपा था।

# जिला चिकित्सालय में अग्निकाण्ड, ऑक्सीजन न मिलने से एक मरीज की मौत

## फायर एक्सटिंग्विशर की मदद से कर्मचारियों ने आग पर पाया काबू

**मुरैना।** जिला अस्पताल के ऑपरेशन थियेटर के बाजू में स्थित एक कमरे में बुधवार की शाम करीब पांच बजे अचानक आग लग गई। आग लगने की खबर से वार्डों में भर्ती मरीजों में हड़कंप मच गया। अटेंडरों ने मरीजों को वार्ड से बाहर निकालना शुरू कर दिया। इसी दौरान मेडिकल वार्ड में भर्ती अस्थमा पीड़ित मरीज की वार्ड से बाहर लाने पर ऑक्सीजन सपोर्ट न मिलने से मौत हो गई। अस्पताल के कर्मचारियों ने फ ायर एक्सटिंग्विशर की मदद से कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया था। मिली जानकारी के मुताबिक ऑपरेशन थियेटर में बुधवार को मरीजों के ऑपरेशन होने के बाद कर्मचारी ओटी को बंद कर रहे थे। इसी दौरान कर्मचारियों को साइड में स्थित एक कमरे से धुआं उठता हुआ दिखाई दिया। कमरे से निकल रहा धुआं कुछ ही देर में वार्डों में पहुंच गया। जिसके बाद वार्डों में भर्ती मरीजों में हड़कंप मच गया। अटेंडर मरीजों को अपने साथ लेकर वार्ड से बाहर भागने लगे। अफरा-तफरी के बीच मौके पर पहुंचें अस्पताल के कर्मचारियों ने परिसर में मौजूद फायर एक्सटिंग्विशर (अग्निशमक यंत्र) की मदद से आग पर काबू पाने की कोशिशें शुरू कर दी। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। जिला अस्पताल में आगजनी की घटना की सूचना मिलने के बाद सिविल सर्जन डॉ. गजेन्द्र सिंह तोमर, सीएमएचओ डॉ. पद्मेश उपाध्याय, एसडीएम भूपेन्द्र सिंह कुशवाह, सीएसपी दीपाली चंदौरिया मौके पर पहुंच गए थे।

### अस्पताल में फायर सेफ्टी सिस्टम, नहीं बजा अलार्म

शासन द्वारा जिला अस्पताल में आगजनी की घटना पर तत्काल काबू पाने के लिए करोड़ों रूपये खर्च कर फायर सेफ्टी सिस्टम लगवाया है। लेकिन सिस्टम इंस्टाल होने के बाद कभी मॉक ड्रिल कर उसे चेक नहीं किया गया है। यही वजह रही कि बुधवार की शाम जब आग लगी, फायर सेफ्टी सिस्टम का अलार्म नहीं बजा, गनीमत रही कि कर्मचारी कमरे से निकल रहे धुएं को देखकर एक्टिव मोड में आ गए और अस्पताल में मौजूद फ ायर एक्सटिंग्विशर की मदद से उन्होंने आग बुझाने के प्रयास शुरू कर दिए। अन्यथा बड़ा हादसा भी घटित हो सकता था।

### ऑक्सीजन सपोर्ट न मिलने से अस्थमा पीड़ित मरीज की हुई मौत

अस्पताल में आग लगने की खबर फैलते ही हड़कंच मच गया। वार्डों में भर्ती मरीजों को लेकर अटेंडर बाहर की ओर भागने लगे। इसी दौरान मेडिकल वार्ड में भर्ती अस्थमा के मरीज वीरेन्द्र कड़ेरे (35) निवासी छौंदा को उसके अटेंडर ऑक्सीजन सपोर्ट को हटाकर वार्ड से बाहर ले आए। अफरा-तफरी के माहौल में अस्थमा पीड़ित वीरेन्द्र को वार्ड से बाहर ऑक्सीजन सपोर्ट नहीं मिल सका। नतीजा कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई।

# अधिकारी पात्रता पर्ची की ई-केवायसी करायें: कलेक्टर

**मुरैना।** शासन के आदेशानुसार राशन प्राप्त करने वाले सभी हितग्राहियों की ई-केवायसी का कार्य किया जा रहा है। इसके लिये जिले में बहुत संख्या में ऐसे हितग्राही है, जिनकी पात्रता पर्ची की ई-केवायसी नहीं पाई है। इसके लिये समस्त जनपद सीईओ अपने-अपने क्षेत्र में पंचायत वार सूची निकालें कि अभी भी कितने हितग्राही ई-केवायसी से वंचित है। समस्त जनपद सीईओ अपने-अपने क्षेत्रों में प्रतिदिन की जाने वाली ई-केवायसी की जानकारी जिले को भेजे। फूड विभाग प्रतिदिन एकजाई करके मुझे उपलब्ध करायें। इस कार्य में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का भी सहयोग लिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन एक जनपद के अंतर्गत 01 हजार ई-केवायसी का आंकड़ा आना चाहिये।

इसी प्रकार कलेक्टर ने समस्त नगरीय निकायों के सीएमओ को निर्देश दिये कि वे भी अपने-अपने क्षेत्रों में टीम गठित कर ई-केवायसी का लक्ष्य शीघ्र पूर्ण किया जाये। उन्होंने कहा कि सभी निकायों में कल से प्रतिदिन 100-100 का आंकड़ा मुझे मिलना चाहिये। बैठक में कलेक्टर ने निकायवार भी सीएमओ को ई-केवायसी का लक्ष्य दिया।

कलेक्टर ने कहा कि जिले में कुल 1413396 में से1048084 की ई-केवायसी की जा चुकी है। शेष बचे 365312 हितग्राहियों की ई-केवायसी कराने के लिए जिले में लगातार अभियान चल रहा है। दुकानवार नोडल, ज़ोनल की ड्यूटी लगाकर गाँव-गाँव मे केम्प लगवाये जा रहे है। 30 अप्रैल तक हितग्राही की ई-केवायसी करायें।

### जनपदों के अंतर्गत क्लस्टर स्तर पर दो-दो फायर टेंकर रहें: कलेक्टर

**मुरैना।** पिछले वर्ष ग्रीष्मकाल में आगजनी की घटना को रोकने के लिये जनपदों के अंतर्गत क्लस्टर स्तर पर दो-दो फायर टेंकर तैयार कराये गये थे। उनके टेंकरो का जनपद सीईओ पुनः भौतिक सत्यापन करें, ताकि आने वाले समय में आगजनी की घटना को तत्काल रोका जा सके। ये निर्देश कलेक्टर अंकित अस्थाना ने बैठक के दौरान समस्त जनपद सीईओ को दिये। कलेक्टर ने कहा कि भौतिक सत्यापन करने के बाद उस टेंकर पर टेंकर का नंबर,वाहन चालक का नाम एवं मोबाइल नंबर सहित क्लस्टरवार सूची डिप्टी कलेक्टर सुश्री मेघा तिवारी को उपलब्ध करायें। बैठक में उन्होंने प्रत्येक सीएमओ से फायर बिग्रेड की स्थिति के बारे में विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि फायर बिग्रेड में छोटी-मोटी कमियां है, उन्हें शीघ्र दुरूस्त करा लें।

### जिला चिकित्सालय/नगरीय निकायों में फायर की मॉकड्रिल करायें

**मुरैना।** कलेक्टर अंकित अस्थाना ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सिविल सर्जन और जिले की नगरीय निकायों के सीएमओ को निर्देश दिये कि अपने-अपने क्षेत्र में आगजनी को घटना को त्वरित गति से रोकने के लिये मॉकड्रिल करायें। इसमें कहां से फायर बिग्रेड उपलब्ध होगी, वाहन चालक का नाम, मोबाइल नंबर संधारित होना चाहिये। बैठक में कलेक्टर ने रूरल टेक्नोलॉजी पार्क, ट्राफिक सिग्नल, खुले बोर बंद करने के निर्देश दिये। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से आयुष्मान कार्डो की पिछले सप्ताह बनाये गये उनकी समीक्षा की।

### सभी कार्यालय प्रमुख ई-ऑफिस पर विशेष ध्यान दें

**मुरैना।** कलेक्टर अंकित अस्थाना ने बताया कि प्रदेश स्तर से ई-ऑफिस पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जिसमें विभागों से आने वाली फाइलें ऑफलाइन नहीं, ऑनलाइन ही आनी चाहिये। ये निर्देश उन्होंने समस्त जिला अधिकारियों को दिये। उन्होंने अधीनस्थ कर्मचारियों से भी चर्चा की और कहा कि जिन लोगों ने प्रशिक्षण प्राप्त कर लिया है, उन्हें और प्रशिक्षण प्राप्त करने की आवश्यकता हो तो प्राप्त कर सकते है। मई माह से सभी कार्यालयों की फाइलें ऑनलाइन ही प्राप्त होनी चाहिये।

# मुख्यमंत्री ने मुरैना जिले की 335217 लाड़ली बहनों के खातों में सिंगल क्लिक से 412340850 रूपये की राशि अंतरित की

**मुरैना।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंडला जिले के ग्राम टिकरवारामें आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से बुधवार को प्रदेश की लाड़ली बहनों के खातों में सिंगल क्लिक के माध्यम से अप्रैल माह की 23वीं किस्त 1250 रूपये की राशि अंतरित की। राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण मुरैना एनआईसी कक्ष में देखा गया। मुरैना जिले की 3 लाख 35 हजार 217 लाड़ली बहनों को 41 करोड़ 23 लाख 40 हजार 850 रूपये की राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की है।

## 10 मई को आयोजित होने वाली

# नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु प्रिसिटिंग आयोजित की गई

**मुरैना।** मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संगीता मदान के मार्गदर्शन में 10 मई 2025 को न्यायालय परिसर जिला मुख्यालय मुरैना एवं तहसील विधिक सेवा समिति अम्बाह, जौरा, सबलगढ़ में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है।

नेशनल लोक अदालत में दीवानी, मोटर दुर्घटना दावा अभिकरण से संबंधित प्रकरण, बैंको के प्रकरण, विद्युतएवं राजीनामा योग्य दाण्डिक लंबित प्रकरणों तथा प्रीलिटिगेशन प्रकरणों आदि का निराकरण पक्षकारों की पारस्परिक सहमति से राजीनामा के माध्यम से किया जायेगा। नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन के लियेबुधवार को ए.डी.आर. भवन मुरैना मेंपंचम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्री चन्द्रशेखर जायसवाल, न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री आशीष शर्मा के द्वारा विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक ली गई। बैठक में 10 मई को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु अधिक से अधिक निराकरण के संबंध में चर्चा की गई। साथ ही संबंधित अधिकारियों को नेशनल लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री बृजेन्द्र सिंह भदौरिया,उपमहाप्रबंधक विद्युत विभाग शहरी मुरैना श्री अभिषेक चौरसिया आदि उपस्थित थे। आमजन से अपील है कि 10 मई को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में आपसी राजीनामा के माध्यम से अपने अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण कराकर लाभ प्राप्त करें।

# रविंद्र सिंह बैसला बने जिला न्यायालय मुरैना आपदा प्रबंधन समिति के सदस्य

**मुरैना।** जिला अभिभाषक संघ मुरैना के उपाध्यक्ष रविन्द्र सिंह बैसला को न्यायालय परिसर के सम्पूर्ण आपदा प्रबंधन, कार्यो के प्रबंधन, समन्वयन तथा नियंत्रण हेतु न्यायालय आपदा प्रबंधन समिति का सदस्य बनाया गया है। बैसला ने कहा कि आपदाओं से होने वाली क्षति को पहले से तैयारी और जन-जागरूकता से कम किया जा सकता है। बेहतर प्रबंधन और संसाधनों की उपलब्धता से प्रभावितों को तुरंत राहत पहुंचाई जा सकती है।

इस अवसर पर एडवोकेट जितेन्द्र शर्मा, पंकज भदौरिया, भूपेन्द्र सिंह सिकरवार, हेमंत शर्मा, विपिन शर्मा, ब्रजेश कुशवाह, वीरेंद्र शर्मा, सुनील मित्तल, अभिषेक अग्रवाल, अनिकेत डंडोतिया, श्याम यादव, राघवेंद्र सिंह तोमर, सुरेंद्र राठौर, प्रमोद शर्मा, अरविंद सिकरवार, मनोज शर्मा, धीरेन्द्र, योगेन्द्र खरे, विकास कुलश्रेष्ठ, रामू घुरैया, रामनिवास आदि अधिवक्तागणों ने बधाई दी है।

# संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने विभिन्न मांगों को लेकर दिया ज्ञापन

**मुरैना।** संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के तत्वाधान में जिला मुरैना इकाई द्वारा नई संविदा नीति 2025 के विरोध में सीएमएचओ ऑफिस से नई कलेक्ट्रेट तक रैली निकाल कर मुख्यमंत्री के नाम डिप्टी कलेक्टर प्रतिज्ञा शर्मा को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन के माध्यम से जिलाध्यक्ष डॉ. अजय सिंह, डीपीएम एसपी श्रीवास्तव, डॉ. बृजेश तिवारी, सीनियर ट्रीटमेंट सुपरवाइजर दिनेश पचौरी ने बताया कि पूरे प्रदेश में आज एनएचएम के 3200 हजार संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी आज एक दिवसीय सामूहिक अवकाश पर थे, जिन्होंने अपने अपने जिला मुख्यालय पर ज्ञापन के माध्यम से एनएचएम की दमनकारी, शोषण और असमानता की नीतियों का रैली निकाल कर विरोध प्रदर्शन किया है। उन्होंने बताया कि पूरे प्रदेश में संविदा कर्मचारी पूर्ण निष्ठा और ईमानदारी से अपने कर्तव्य का पालन करते हैं किंतु मध्य प्रदेश की संवेदनशील सरकार का इस ओर कोई ध्यान ही नहीं है, संघ पूछना चाहता कि महंगाई सिर्फ नियमित कर्मचारियों के लिए ही है, संविदा वालों का कोई परिवार नहीं होता इन्हें किसी प्रकार के भत्ते की आवश्यकता नहीं हैं। क्या आयुष्मान भारत निरामय योजना में इनके परिवार को जोड़ना एक संवेदनशीलता नहीं है।

उन्होंने बताया कि नियमितीकरण होने तक नियमित कर्मचारियों के समतुल्य वेतन भत्ते, ग्रेच्युटी, बीमा, एनपीएस, डीए, इएल, मेडिकल लीव, जैसी सुविधाएं दी जाएं। उन्होंने बताया कि नियमित पदों की भर्ती में 50 प्रतिशत पद संविदा से भरे जाए। अनुबंध व अप्रेजल जैसे कुप्रथा को बंद किया जाए। इस आंदोलन में एनएचएम के सभी कैडेर ने भाग लिया। इसमें कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स, सीनियर ट्रीटमेंट सुपरवाइजर, टीबी हेल्थ विजटर, सीनियर लेब सुपरवाइजर, लैब टकनीशियन, स्टाफ नर्स, एएनएम,डीईओ, फार्मासिस्ट, डैम, डीपीएम, वैम सहित करीब 456 कर्मचारी आज सामूहिक अवकाश पर थे।

# जिला कांग्रेस ने विपक्षी नेताओं पर ईडी की कार्यवाही के विरोध में कलेक्टर को दिया ज्ञापन

**मुरैना।** भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पूर्व अध्यक्षा श्रीमती सोनिया गांधी और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के विरुद्ध नेशनल हेराल्ड प्रकरण में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा आरोप पत्र दाखिल किया गया है। जिसके विरोध में मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष दीपक शर्मा के नेतृत्व में पुरानी कलेक्ट्रेट पर समस्त कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन सौंपा। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उप नेता प्रतिपक्ष मध्य प्रदेश विधानसभा हेमन्त कटारे उपस्थित रहे।

जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष दीपक शर्मा, मुरैना विधायक दिनेश गुर्जर, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी सत्यपाल सिंह सिकरवार ने अपने उद्बोधन में कहा कि जिस परिवार ने इस देश के लिए अपना सब कुछ न्योछावर किया, जिनके अपने बलिदान हुए, उस गांधी-नेहरू परिवार को केंद्र की सत्ता में बैठी भाजपा सरकार बार-बार अपमानित करने का असफल प्रयास कर रही है। 2014 से लगातार यह देखा जा रहा है कि विपक्षी नेताओं के खिलाफ ईडी, सीबीआई, आईटी जैसी एजेंसियों का मनमाना उपयोग किया जा रहा है! इससे यह स्पष्ट है कि यह एक राजनीतिक हथियार के रूप में एजेंसियों को प्रयोग करने की रणनीति है। देश के भीतर एक खतरनाक प्रवृत्ति लगातार गहराती जा रही है। हाल ही में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पूर्व अध्यक्षा श्रीमती सोनिया गांधी और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के विरुद्ध नेशनल हेराल्ड प्रकरण में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा आरोप पत्र दाखिल किया गया है यह न केवल अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि स्पष्ट रूप से यह केंद्र सरकार की राजनीतिक प्रतिशोध की संकीर्ण मानसिकता का भी प्रतीक है। इस अवसर पर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष दीपक शर्मा, मुरैना विधायक दिनेश गुर्जर, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी सत्यपाल सिंह सिकरवार, संगठन मंत्री शहर सत्यपाल कुशवाह, संगठन मंत्री ग्रामीण सुभाष सिंह सिकरवार, निगम नेताप्रतिपक्ष विनीत कंसाना, किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष जितेंद्र सिंह डंगस, उदयवीर सिकरवार, पिंकी भदौरिया, राजेन्द्र यादव, महिला कांग्रेस की शहर अध्यक्ष नजमा बेगम, विक्रम मुदगल, रामहेत पिप्पल, हरीश पाठक, सुनील शर्मा, रामकुमार पाराशर, मानवेंद्र गांधी, रिंकू पचौरी, गजेंद्र सिंधी, नरोत्तम माहौर, हरीराम गुर्जर, विनोद जोनवार, प्रदीप रजक, हरिशंकर शर्मा, राजकुमार पाठक आदि मौजूद थे।

# गुना में जुलूस पर हुए पथराव की जाँच कराई जाए: विहिप

## मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को दिया ज्ञापन

**मुरैना।** गुना में हनुमान जयंती पर निकाले गए जुलूस में हुए हमले की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। हमले में शामिल हमलावरों और साजिश करने वालों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए।

यह मांग विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल की ओर से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से की गई है। इस मांग को लेकर विहिप, बजरंग दल की जिला इकाई की ओर से बुधवार को मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन दिया गया। इस ज्ञापन में कहा गया है कि गुना में कर्नल गंज में जुलूस के ऊपर हमला किया गया, हमले के दौरान मस्जिद सहित आसपास स्थित घरों से पथराव किया गया। जिससे वहां भगदड़ के हालात बन गए, जिसमें जुलूस में शामिल कई युवा घायल हुए है। ज्ञापन में जुलूस पर हमला करने वालों और साजिश रचने वालों को गिरफ्तार कर कठोर कार्रवाई किए जाने, आरोपियों के अवैध अतिक्रमणों के विरुद्ध बुलडोजर कार्रवाई किए जाने की मांग की गई है। इसके साथ ही घटना को लेकर लापरवाही बरतने वाले पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई और हिंदू समाज के युवाओं के विरुद्ध दर्ज हुए मामले की न्याय संगत जांच कराए जाने की मांग विश्व हिंदू परिषद ने मुख्यमंत्री से की है। ज्ञापन विहिप, बजरंग दल के जिला संयोजक सुनील सिंह सिकरवार के नेतृत्व में सौंपा गया।

# बिना महिला चिकित्सक के मात्र एक ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर चला रहा है शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

**मुरैना/पोरसा।** मात्र एक डॉक्टर पोरसा ब्लॉक के लोगों को कैसे पहुंचा रहा होगा स्वास्थ्य लाभ? यह एक विचारणीय विषय है। पोरसा शासकीय अस्पताल जो 1960 से पहले का है, जहां मात्र एक डॉक्टर ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. शैलेंद्र सिंह तोमर पदस्थ हैं, जिन्हें शासकीय कार्य भी करना पड़ता है तथा मरीज का इलाज भी करते हैं। व्यवस्था बनाने के लिए चार डॉक्टरों को अटैच कर रखा है। अम्बाह से डॉ. राहुल शर्मा, नगरा से डॉ. मयंक शर्मा, महुआ से डॉ. पुष्पेंद्र डंडोतिया, परीक्षत का पुरा से डॉ. नीलेश यादव को पोरसा में अटैच कर रखा है जिनके माध्यम से स्वास्थ्य लाभ दिया जा रहा है। मगर महिला चिकित्सक नहीं हैं, जिससे महिलाओं को स्वास्थ्य लाभ के लिए मुरैना भागना पड़ता है। पूरी साल भर में पोरसा अस्पताल में 3000 से अधिक डिलीवरीयां होती हैं, जिसमें से 500 डिलीवरी मुरैना रेफर करनी पड़ती हैं, क्योंकि यहां महिला चिकित्सक नहीं है इसलिए महिलाओं को उचित इलाज नहीं दिया जाता। अस्पताल में स्पेशलिस्ट कोई भी डॉक्टर नहीं है। सन् 2005 में उस वक्त के स्वास्थ्य मंत्री के द्वारा पोरसा अस्पताल के लिए एक पत्र जारी करके 07 डॉक्टर एवं 01 ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर की स्थापना का लेटर जारी किया था, जिसको आज 20 साल हो गये, मगर स्टाफ आज तक नहीं आया।

# तेज आँधी के कारण साक्षी फूड प्रॉडक्ट्स के बॉयलर की चिमनी गिरी, संचालक का भारी नुकसान, कोई जनहानि नहीं

**मुरैना।** पिछले दिनों 11 अप्रैल को आई तेज आँधी के कारण धनेला रोड स्थित साक्षी फूड प्रॉडक्ट्स की बॉयलर की चिमनी गिर पड़ी, जिससे फैक्ट्री संचालक का काफी नुकसान हुआ है। इस घटना के वक्त कोई व्यक्ति वहां मौजूद नहीं था, जिससे किसी भी तरह की अनहोनी नहीं हो सकी। यहां यह बताना आवश्यक होगा कि पिछले दिनों मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार अंचल में तेज आँधी के साथ हल्की बारिश भी हुई, जिससे अनेक लोगों का नुकसान हुआ। धनेला रोड स्थित साक्षी फूड प्रॉडक्ट्स के बॉयलर की चिमनी आँधी के कारण गिर पड़ी। इसके अलावा आँधी व पानी के कारण किसानों की गेहूँ की फसल जो कि खलिहानों में कटकर रखी हुई है अथवा खेत में खड़ी थी उसे भी नुकसान पहुंचा है। गत दिनों से मौसम में बदलाव आया है। अब दिन के समय तेज गर्मी पड़ रही है। दिन का तापमान लगभग 40 डिग्री सेल्सियस के पास पहुंच गया है। मौसम विभाग के अनुसार फिलवक्त गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है।

भाजपा कार्यालय में प्रदेश स्तरीय वक्ता कार्यशाला का आयोजन

# निजी हितों के लिए कांग्रेस ने किए संविधान में संशोधन : वाजपेयी

» कांग्रेस के संविधान विरोधी चेहरे को हमें जनता के बीच उजागर करना है : विष्णुदत्त शर्मा

» कांग्रेस ने हमेशा बाबा साहब अंबेडकर का हमेशा अपमान किया - डॉ. मोहन यादव

**भोपाल।** भारतीय जनता पार्टी, प्रदेश कार्यालय में बुधवार को प्रदेश स्तरीय वक्ता कार्यशाला का शुभारंभ दीप प्रज्जवलित एवं महापुरूषों को पुष्पांजलि अर्पित कर हुआ। कार्यशाला में संविधान को नमन कर संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया गया। कार्यशाला को भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लक्ष्मीकांत वाजपेयी, राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत गौतम, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद जी एवं अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य ने संबोधित किया। पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने कहा कि कांग्रेस ने स्वर्गीय इंदिरा गांधी की गद्दी को बचाने और व्यक्तिगत हितों के लिए संविधान में संशोधन किए। जबकि श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आरक्षण की समय सीमा बढ़ाने के लिए संविधान संशोधन किया है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव श्री दुष्यंत गौतम ने कहा कि वर्तमान भारत के निर्माण में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर का अमूल्य योगदान है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बाबा साहब का सबसे ज्यादा अपमान अगर देश में किसी ने किया है, तो उसका नाम कांग्रेस है। हमारा सौभाग्य है कि डॉ. भीमराव अंबेडकर जी का जन्म महू में हुआ और हमें उनके नाम से कई योजनाओं को चलाने का अवसर मिला। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने 70 सालों तक बाबा साहब की भावनाओं के साथ खिलवाड़ कर उनका अपमान किया।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत गौतम ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर विकसित भारत बनाने की मानसिकता के साथ कार्य कर रहे थे, लेकिन कांग्रेस ने उन्हें चुनाव हराकर समाज सुधार के लिए किए जा रहे कार्यों में बार-बार रोकने का प्रयास किया। बाबा साहब ने हर वर्ग के कल्याण के लिए कार्य किया है, लेकिन कांग्रेस पार्टी ने उन्हें सिर्फ दलितों का नेता बताकर उनके कार्यों को समाज में आने से छिपाने का कार्य किया। संविधान दिवस मनाने का कार्य भाजपा ने किया, कांग्रेस ने संविधान को लागू करने के वर्षों बाद तक यह कार्य नहीं किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस की चमड़ी बहुत मोटी हो गई है। बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी का सबसे ज्यादा अपमान करने का काम अगर किसी ने किया है तो वह देश पर सबसे ज्यादा समय तक राज करने वाली कांग्रेस पार्टी है। कांग्रेस ने संविधान में एक-दो बार नहीं, बल्कि अपनी जरूरतों के हिसाब से अनेकों संशोधन करने का काम किया। अब जब नेशनल हेराल्ड केस में कांग्रेस नेताओं पर चार्जशीट दाखिल हुई, तो ईडी के दफ्तरों के बाहर प्रदर्शन किया जा रहा है। क्या कांग्रेस कानून से बड़ी हो गई है? कांग्रेस का मूल चरित्र ही तुष्टिकरण कर अपना काम निकालने का रहा है।

परिवहन सुरक्षा स्क्वॉड भोपाल ने की कार्रवाई

# आरटीओ ने एलपीजी से दौड़ रही गाड़ियां जब्त की

**भोपाल।** भोपाल में बुधवार को परिवहन विभाग ने एलपीजी से दौड़ रही 6 गाड़ियों को जब्त किया। इन वाहन मालिकों से 18 हजार रुपए का जुर्माना भी वसूला है। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी भोपाल के निर्देशानुसार परिवहन सुरक्षा स्क्वॉड ने यह कार्रवाई की। अनधिकृत रूप से एलपीजी गैस से संचालित वाहनों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान 6 ऐसे वाहनों को जब्त किया गया, जो अवैध रूप से एलपीजी का उपयोग कर रहे थे। इन वाहनों को क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय भोपाल के परिसर में खड़ा कराया गया है।

**नियमों को तोड़ने पर भी कार्रवाई-** इसके अलावा अन्य नियम उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई करते हुए कुल 18000 रुपए जुर्माना वसूला। तीन टीमों ने यह कार्रवाई की।

## ड्राइवर ने डिवाइडर पर चढ़ाई बस, 15 कर्मचारी घायल

**भोपाल।** भोपाल-नर्मदापुरम रोड पर बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी के सामने एक कंपनी की बस डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गई। हादसे में बस में सवार ड्राइवर-कंडक्टर सहित सोम डिस्टिलरीज के करीब 15 कर्मचारी घायल हो गए। इनमें चार की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के बाद राहगीरों और पुलिस ने रेस्क्यू कर सभी घायलों को घटना स्थल के पास ही स्थित प्राइवेट हॉस्पिटल पहुंचाया। ड्राइवर हेमंत, मनोज यादव और अनिल मीणा की हालत चिंताजनक है। वीडी शुक्ला नाम के एक व्यक्ति की हालत भी गंभीर है, जिसे वेंटिलेटर पर रखा गया है। बाग सेवनिया टीआई अमित सोनी के मुताबिक बीयू के सामने बस बेकाबू होने के बाद डिवाइडर से टकराई और पलट गई।

# जल संरचनाओं के संरक्षण और सफाई के कार्य जारी

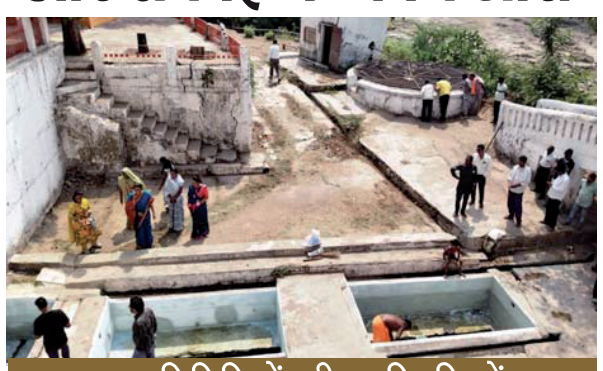

» जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति में जन भागीदारी से हो रहे है कार्य

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर प्रदेश में 30 मार्च से निरंतर जल संरचानाओं के संरक्षण और सफाई के कार्य निरंतर जारी है। इन कार्यों में समाज के प्रत्येक वर्ग का सहयोग मिल रहा है। अभियान के दौरान उन स्थानों को चिन्हित किया गया है, जिन्हें सफाई और गहरीकरण के बाद पर्यटन के रूप में विकसित किया जाना है।

जल गंगा संवर्धन अभियान में ग्वालियर के पृथ्वी तालाब को पर्यटन के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया गया। तालाब के सौंदर्यीकरण की शुरूआत क्षेत्रीय सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह और महापौर डॉ. शोभा सिकरवार की उपस्थिति में भूमि-पूजन से हुई। सांसद श्री कुशवाह ने बताया कि पृथ्वी तालाब के लिये अमृत योजना में 3 करोड़ रूपये की राशि प्राप्त हुई है। महापौर डॉ. शोभा सिकरवार ने जानकारी दी कि तालाब के चारों और सघन वृक्षारोपण किया जायेगा। इससे तालाब का जल स्तर बढ़ेगा।

सिंगरौली जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान में जल स्त्रोतों की सफाई के साथ जन-जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। चितरंगी शासकीय कन्या विद्यालय में जल के महत्व पर भाषण प्रतियोगिता हुई। छात्राओं ने जलवायु परिवर्तन को देखते हुए अपने विचार रखे। छात्राओं ने कहा कि जल संरक्षण को जन-आंदोलन का रूप देना होगा।

धार जिले में नगर के रामतलाई तालाब की साफ-सफाई का कार्य किया गया। इस कार्य में जिला आयुष कार्यालय से जुड़े अधिकारी और कर्मचारियों ने तालाब की सफाई का कार्य किया। आंगनवाड़ी केन्द्र क्रमांक 80 त्रिमूर्ति नगर की कार्यकर्ता और सहायिका ने आयुर्वेद से जुड़े चिकित्सकों से पोषण आहार के बारे में जानकारी प्राप्त की। तालाब के सफाई कार्य में महिलाओं की भागीदारी भी सुनिश्चित की जा रही है।

तेज धूप में रहने से कम होती सोचने-समझने की क्षमता:

# गर्मी के कारण ओपीडी में बढ़े बायपोलर डिसऑर्डर केस

**भोपाल।** धूप अब सिर्फ झुलसा नहीं रही, सोचने-समझने की ताकत भी चुरा रही है। तापमान में लगातार बढ़ोतरी से दिमाग के न्यूरो ट्रांसमीटर पर असर पड़ रहा है, जिससे बायपोलर डिसऑर्डर के मेनिया केस तेजी से सामने आ रहे हैं। स्थिति यह है कि हमीदिया अस्पताल के मनो रोग विभाग की ओपीडी में ऐसे केस अप्रैल माह में 15 फीसदी तक बढ़े हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार अधिक तापमान दिमाग में डोपामिन और सेरोटॉनिन जैसे न्यूरो ट्रांसमीटर को प्रभावित करता है। जिससे बायपोलर डिसऑर्डर के मेनिया फेज के केस बढ़ते हैं। इन मरीजों में तेज़ बोलना, नींद की कमी और निर्णय लेने की क्षमता का कमजोर होना प्रमुख लक्षणों के रूप से देखे जा रहे हैं।

**बायपोलर डिसऑर्डर का धूप से सीधा कनेक्शन-** बायपोलर डिसऑर्डर एक मानसिक स्वास्थ्य स्थिति है। जिसमें व्यक्ति के मूड में अत्यधिक उतार चढ़ाव होता है। यह दो तरह का होता है। जिसमें पहला मेनिया है। इसमें व्यक्ति उत्साह और ऊर्जा की अधिकता महसूस करता है। यह तब होता है जब व्यक्ति तेज धूप के संपर्क में ज्यादा रहता है। जिसमें समय पर इलाज ना लिया जाए या सावधानी ना रखी जाए तो यह एक्यूट मेनिया का रूप ले सकता है। वहीं, बारिश या ठंड में जब धूप कम होती है तब इसके दूसरे रूप डिप्रेशन के मामले बढ़ते हैं। जिसमें उदासी और ऊर्जा की कमी के एपिसोड शामिल होते हैं।

**यह है बायपोलर डिसऑर्डर? के शुरुआती लक्षण-** उत्साह और ऊर्जा की अधिकता, अधिक बात करना और तेजी से बोलना, विचारों की अधिकता और तेजी से बदलते विचार, जोखिम भरे व्यवहार में शामिल होना, नींद की कमी और अत्यधिक गतिविधि।

**गंभीर अवस्था में दिखते हैं यह लक्षण-** हैलूसिनेशन- ऐसी आवाजें सुनना या चीजें देखना जो असल में नहीं होती हैं। डिल्यूजन्स- झूठे, गलत लेकिन मजबूत ख्यालों का आना। जैसे मैं भगवान हूं, मुझमें विशेष शक्तियां हैं या कोई मुझे नुकसान पहुंचाना चाहता है। निर्णय क्षमता का खत्म होना। कई दिनों तक न सोना, फिर भी थका हुआ महसूस न करना। गुस्से के तेज झोंके आना और बात बात पर लड़ाई-झगड़ा करना।

## रचना नगर, रोहित नगर सहित 50 इलाकों में बिजली कटौती

**भोपाल।** भोपाल के करीब 50 इलाकों में गुरुवार को 30 मिनट से 6 घंटे तक बिजली कटौती होगी। यहां बिजली कंपनी मेंटेनेंस करेगी। जिन इलाकों में बिजली गुल रहेगी, उनमें रचना नगर, गौतम नगर, रोहित नगर, नारियल खेड़ा, जनता क्वार्टर, बैंक कॉलोनी, वैशाली नगर, आशीर्वाद कॉलोनी, ज्योति नगर समेत कई बड़े रहवासी इलाके भी शामिल हैं। ऐसे में लोग जरूरी काम पहले से निपटा लें। ताकि, बिजली नहीं होने की वजह से उन्हें परेशान न होना पड़े। सुबह 6 से 6.30 बजे तक रचना नगर, कस्तूरबा नगर, गौतम नगर, बैंक कॉलोनी एवं आसपास। सुबह 10 से 11 बजे तक सनखेड़ी, सिद्धि सैफरान सिटी, राजहर्ष ए सेक्टर, बांसखेड़ी, सिटी विस्तार कॉलोनी एवं आसपास। सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक ग्लोबल पार्क सिटी, संत आशाराम फेस-3, कंट्री स्काय एवं आसपास के इलाके। सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक कमला नगर, बापू नगर, ऋषि परिसर, वैशाली नगर एवं आसपास। सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक फिरदोस नगर, शीतला नगर, निशातपुरा, श्री नगर, सरदार नगर, नारियल खेड़ा एवं आसपास। सुबह 10 से दोपहर 3.30 बजे तक समरधा टोला, रिदम पार्क, दीपड़ी, सिग्नेचर एस-9 कॉलोनी, लिबर्टी कॉलोनी एवं आसपास के इलाके।

# एमपी ट्रांसको ने खतरनाक अनाधिकृत निर्माण तोड़े

» मकान में शेड लगाने के दौरान हुआ था हादसा

**भोपाल।** मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांस्को) की एक्स्ट्रा हाईटेंशन लाइन के समीप के उस निर्माण को आज एमपी ट्रांसको के अधिकारियों की उपस्थिति में तोड़ा गया जिसके कारण कुछ दिन पूर्व शारदा नगर ,नारियल खेड़ा, भोपाल से गुजर रही 132 के व्ही भोपाल-लालघाटी एक्स्ट्रा हाई टेंशन लाइन के संपर्क में आने के कारण दो रहवासी गंभीर रूप से घायल हो गए थे। एम.पी. ट्रांसको के भोपाल में अतिरिक्त मुख्य अभियंता एस. के. दुबे ने बताया कि विगत 12 अप्रैल को शारदा नगर, नारियल खेड़ा, भोपाल क्षेत्र में 132 केवी भोपाल-लालघाटी एक्स्ट्रा हाई टेंशन लाइन में ट्रिपिंग आई थी। इससे संबंधित लाइन में 9 मिनिट का व्यवधान रहा। लाइन पेट्रोलिंग करने पर यह संज्ञान में आया कि उक्त क्षेत्र से जा रही एक्स्ट्रा हाईटेंशन लाइन के बिल्कुल समीप एक मकान में सीमेंट की चादर का शेड लगाने के दरम्यांन यह हादसा हुआ, जिसमें दो व्यक्ति फरहान खान एवं गुडडू खान इस एक्सट्रा हाईटेंशन लाइन के इंडक्शंन जोन में आने के

कारण गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इसके बाद क्षेत्र में मानव जीवन को सुरक्षित रखने के लिए एम.पी. ट्रांसको द्वारा यह कार्रवाई की गई। एम.पी. ट्रांसको द्वारा की गई कार्रवाई में गुडडू खान मकान नंबर 470, खलील खान मकान नंबर 448 एवं नसीम खान मकान नंबर 361 के शारदा नगर, नारियल खेड़ा स्थित आवासों के अनाधिकृत एवं मानव जीवन के लिए घातक निर्माणों को तोड़ा गया। एसीई श्री दुबे ने बताया कि भोपाल में ऐसे लगभग 275 स्थान चिन्हित किए गए हैं, जहां किए गए निर्माण मानव जीवन के लिए घातक और असुरक्षित है। यहाँ अनाधिकृत निर्माण पाया गया है, उनके भवन मालिकों को करीब 900 नोटिस विगत वर्षों में जारी किये गए हैं। हादसों के लिए अति संवेदनशील इन क्षेत्रों के मकान मालिकों को पूर्व में भी नोटिस जारी किये गए हैं। अब उन्हें पुन: नोटिस देने के साथ व्यक्तिगत स्तर पर भी समझाइश दी जा रही है।

# सिकल सेल औषधियां विशेष पिछड़ी जनजातीय क्षेत्रों की मोबाइल मेडिकल यूनिट में उपलब्ध हो : राज्यपाल

» राज्यपाल द्वारा वन एवं जनजातीय कार्य विभाग की योजनाओं की समीक्षा

**भोपाल।** राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि पीएम जनमन योजना अंतर्गत दूररस्थ अंचलों के लिए संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट को सराहनीय पहल बताया है। उन्होंने बैगा, भारिया और सहरिया जनजातीय अंचलों में संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट में सिकल सेल एनीमिया रोग की दवाईयों सहित आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए कहा है।

राज्यपाल वन एवं जनजातीय कार्य विभाग की योजनाओं की समीक्षा कर रहे थे। समीक्षा बैठक का आयोजन जनजातीय प्रकोष्ठ के तत्वावधान में जवाहर खण्ड राजभवन में किया गया था। राज्यपाल श्री पटेल ने वन अधिकार अधिनियम 2006 क्रियान्वयन कार्य की समीक्षा की। सामुदायिक और व्यक्तिगत वन अधिकारों, वन संसाधन संरक्षण, वन ग्राम के राजस्व ग्रामों में संपरिवर्तन के कार्य की प्रगति से भी अवगत हुए। उनके समक्ष जनजातीय कार्य विभाग अंतर्गत प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान योजना अंतर्गत किए जाने वाले कार्यों की जानकारी प्रस्तुत की गई। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि पीएम जनमन आवास योजना अंतर्गत बनने वाले मकानों की डिजाइनिंग, आकार के प्रारूप के संबंध में राज्य स्तर से मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाना चाहिए। कार्य की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों के द्वारा निर्माण कार्य का क्षेत्र निरीक्षण भी किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि योजना के हितग्राही को आवास की डिजाइनिंग और आकार में परिवार की जरूरतों, प्रकाश और हवा के समुचित प्रबंध करने के लिए आवश्यक सहयोग दिया जाना चाहिए।

गिद्ध संरक्षण एवं प्रजनन सेंटर केरवा भोपाल के

## 6 केप्टिव ब्रीडिंग गिद्धों को छोड़ा प्राकृतिक रहवास हलाली डेम के वन क्षेत्र में

**भोपाल।** वन विभाग द्वारा गिद्ध संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गयी है। लुप्तप्राय गिद्ध प्रजातियों को बचाने और उनके संरक्षण के लिये गिद्ध संरक्षण एवं प्रजनन सेंटर केरवा भोपाल के 6 केप्टिव ब्रीडिंग गिद्धों को प्राकृतिक रहवास हलाली डेम के वन क्षेत्र में छोड़ा गया। इनमें 2 सफेद पीठ वाले गिद्ध एवं 4 लम्बी चोंच वाले गिद्धों को मुक्त किया गया। प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य-जीव श्री शुभरंजन सेन ने बताया कि मुक्त किये गये सभी गिद्धों पर ऑर्निट्रैक-25 सौर ऊर्जा चलित जीपीएस-जीएसएम ट्रैकर लगाये गये हैं। इसके माध्यम से उनके आवागमन के पैटर्न और आवास उपयोग की निगरानी की जा रही है। श्री सेन ने बताया कि डायरेक्टर टेक फॉर कंजर्वेशन श्री जी. अरेन्द्रन, विश्व प्रकृति निधि भारत द्वारा गिद्धों को ऑर्निट्रैक-25 सौर ऊर्जा चलित जीपीएस-जीएसएम ट्रैकर लगाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। श्री सेन ने कहा कि हलाली डेम के आसपास की बस्तियों में टैग किये गये गिद्धों की सुरक्षा एवं जागरूकता के लिये पर्चे बाँटे गये हैं।

## || संपादकीय ||

# तमिलनाडु में भाजपा परचम फहराने को तत्पर

आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में परंपरागत रूप से भारतीय जनता पार्टी कमजोर रही है, लेकिन अब भाजपा दक्षिण में अपनी जड़ों को न केवल मजबूत करना चाहती है बल्कि दक्षिण के राज्यों में सत्ता पर काबिज भी होना चाहती है। तमिलनाडु में अगले वर्ष अप्रैल-2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। भाजपा और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) ने 2026 के विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ने की घोषणा कर दी है। शुक्रवार को अपनी महत्वपूर्ण चेन्नई यात्रा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस अहम राजनीतिक गठबंधन का ऐलान करते हुए स्पष्ट किया कि राज्य में एनडीए एडप्पादी के. पलानीस्वामी के नेतृत्व में चुनाव लड़ेगा, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही गठबंधन का चेहरा होंगे। तमिलनाडु की भाजपा में भी एक बड़ा बदलाव सामने आया है और भाजपा की तमिलनाडु इकाई की कमान नैनार नागेंद्रन को मिल गई है। भाजपा की राजनीतिक यात्रा में 2026 का तमिलनाडु चुनाव मील का पत्थर साबित होगा, वर्षों की प्यास को बुझायेगा, कमल खिलायेगा।

यह बात तो जगजाहिर है कि दक्षिण में हिन्दू मन्दिरों एवं संस्कृति का वर्चस्व होते हुए भी भाजपा अब तक अपनी जमीन मजबूत नहीं कर पाई है, जबकि केरल हो, कर्नाटक हो, आंध्र प्रदेश या तमिलनाडु हो, भाजपा अपनी जड़ों को सुदृढ़ करने की जद्दोजहद करती रही है। भाजपा के प्रयास दक्षिण में बेअसर ही रहे हो, ऐसी बात भी नहीं है, समय-समय पर उसके प्रयास रंग लाते रहे हैं। दक्षिण के चार में से तीन राज्यों में भाजपा अपना प्रभाव और प्रभुत्व दिखा चुकी है। कर्नाटक में कई बार भाजपा सत्ता आसीन हो चुकी है, आंध्र प्रदेश में इस समय सत्ता की भागीदार है, तेलंगाना में भी भाजपा मजबूत पकड़ बना चुकी है, केवल तमिलनाडु ही है जहां भाजपा कई दशकों से उपस्थिति दर्ज कराने के बावजूद सत्ता तक नहीं पहुंच पायी है। मोदी के प्रभाव और भाजपा के विशाल संसाधनों के बावजूद तमिलनाडु जीतना उसके लिए मुश्किल रहा है। पिछले 78 सालों में यहां कभी भी भाजपा-संघ की राष्ट्रवादी विचारधारा या हिंदुत्व के उनके संस्करण को स्वीकार नहीं किया है। यह सिर्फ भाजपा के लिए ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के लिए भी एक बड़ी वैचारिक लड़ाई है। लेकिन इस बार भाजपा की रणनीति एवं तैयारियों एवं मोदी-शाह के संकल्पों एवं इरादों में दम है, तमिलनाडु में आमूल-चूल परिवर्तन होता हुआ दिख रहा है। तमिलनाडु में भाजपा की राजनीतिक रणनीति में किये गये बदलाव एवं रणनीतियां एक बड़ा मोड़ है, एक नया उजाला है। राजनीति के चाणक्य अमित शाह का यह भरोसा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में एनडीए भारी बहुमत से जीत दर्ज करेगा और राज्य में सरकार बनाएगा, कोरी हवा में उछाली गयी बात नहीं है।

एआईडीएमके और भाजपा के बीच गठबंधन 1998 से बनते-बिगड़ते रहे हैं। 1998 की अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार बनाने और फिर 13 महीने बाद उसे गिराने का श्रेय भी एआईडीएमके को जाता है। जे. जयललिता का जब तक जीवनकाल रहा तब तक भाजपा नेतृत्व के साथ एआईडीएमके की नजदीकियां बनी रही। जब 1999 में जयललिता ने कांग्रेस के साथ गठबंधन कर लिया तो करुणानिधि ने डीएमके को भाजपा के साथ जोड़ लिया और 2004 तक सत्ता का सुख लेते रहे। 2004 के आम चुनाव में फिर से एआईडीएमके भाजपा के साथ आई लेकिन तमिलनाडु में लोकसभा की सीटें नहीं जीत सकी। लेकिन मोदी-शाह की नजरें हमेशा इस राज्य पर लगी रही। क्योंकि सामरिक रूप से तमिलनाडु एक संवेदनशील राज्य है, श्रीलंका के साथ उसका सीधा जुड़ाव है। चीन श्रीलंका के माध्यम से भारत में पैठ बनाना चाहता है, ऐसे में तमिलनाडु में केंद्र की आंख बंद कर विरोध करने वाली पार्टी का सत्तासीन रहना देश हित के लिए गंभीर सवाल पैदा करता है, अनेक संकटों का कारण बन सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष अपने तीसरे कार्यकाल की बड़ी चुनौतियों में बंगाल, तमिलनाडु, केरल को जीतना है। वैसे इन राज्यों में भाजपा की जीत एक करिश्मा ही होगा, लेकिन मोदी-शाह ऐसे आश्चर्यकारी करिश्में घटित करते रहे हैं। सर्वविदित है कि भाजपा के लिए तमिलनाडु केवल राजनीतिक संघर्ष का मैदान नहीं है, वैचारिक लड़ाई भी लड़ी जानी है। स्टालिन सरकार द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति को विवादित करने और त्रिभाषा सिद्धांत को हिंदी थोपने की कोशिश के रूप में प्रचारित करने से केंद्र आहत है, इसीलिये भाजपा अपने राजनीतिक सिद्धांतों, योजनाओं, कार्यक्रमों एवं नीतियों को गंभीर चुनौती दे रहे इन नेताओं और दलों को वैचारिक धरातल पर परास्त करने का रास्ता भी खोज रही है। प्रधानमंत्री मोदी अपनी यात्राओं एवं अन्य चर्चाओं में यह बताते रहे हैं कि पूरे तमिलनाडु की जनता एवं राज्य उनके दिल में हैं, वे उसके कल्याण एवं विकास के लिये तत्पर है। तमिल लोगों के दिलों को जीतने का काम अकेले भाजपा के द्वारा संभव नहीं है, इसीलिये एआईडीएमके की बैशाखियां उसके लिये जरूरी है।

भाजपा के राजनीतिक समीकरणों की सार्थक निष्पत्ति का एक हिस्सा है एआईडीएमके और भाजपा के ताजा गठबंधन की घोषणा। इस गठबंधन को सहज बनाने और पार्टी के अनुरूप इसका स्वरूप देने का श्रेय गृहमंत्री अमित शाह को जाता है, क्योंकि इस बार यह काम उतना आसान नहीं था। शाह एक कद्दावर नेता होने के साथ राजनीतिक गणित को समझने में माहिर है। अमित शाह जमीनी हकीकत से हमेशा वाकिफ रहते हैं। उनके पास तमिलनाडु को लेकर साफ तस्वीरें हैं, सुस्पष्ट एजेंडा है। वह एआईडीएमके के साथ अभी से उदार एवं लचीली सोच से चलना चाहते हैं लेकिन उन्हें अपना लक्ष्य पता है। डीएमके एवं स्टालिन का अहंकार ही उनका मुख्य हथियार होगा। विकास के लिये सत्ता परिवर्तन जनता के लिए यदि जरूरी है तो उसे हासिल करने का तरीका भला अमित शाह से ज्यादा कौन जानता होगा।

शाह की रणनीति सही दिशा में काम कर रही है। बावजूद यह डगर चुनौतीपूर्ण है। क्योंकि डीएमके दुबारा सत्ता में आने के लिए जो नुस्खा तैयार कर रही है उसमें तमिल स्वाभिमान और भाषा विवाद का घोल मिलाया जा रहा है। स्टालिन और उनका पूरा परिवार इस समय घोर भ्रष्टाचार और गैर कानूनी कामों में लिप्त है लेकिन उन्होंने हिंदी विरोध, दक्षिण के साथ केन्द्र का कथित सौतेला व्यवहार और मनमाने परिसीमन जैसे मुद्दों को आगामी चुनाव का एजेंडा बनाया है। इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तमिलनाडु यात्रा में जानबूझ कर मुख्यमंत्री स्टालिन गायब हो गए, जबकि यह एक सामान्य शिष्टाचार होता है कि प्रधानमंत्री प्रांत में आये तो मुख्यमंत्री उनका स्वागत करें। लेकिन ऐसा न करके स्टालिन ने यह जताया कि डीएमके भाजपा विरोध के साथ-साथ केंद्र से टकराव की राजनीति पर है।

• ललित गर्ग लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

# अराजकता में डूबे बंगाल में नाउम्मीदी का अंधेरा

> मुर्शिदाबाद हिंसा के जरिए पूरे बंगाल में हिंसा फैलाने का प्लान तुर्की में बनाया गया था, इसके जरिए बंगाल के हालात भी ठीक बांग्लादेश की तरह करने की कोशिश थी। हिंसा को लेकर बाकायदा एक लिस्ट तैयार की गई थी कि कौन कहां नुकसान करेगा और लूटपाट मचाएगा।

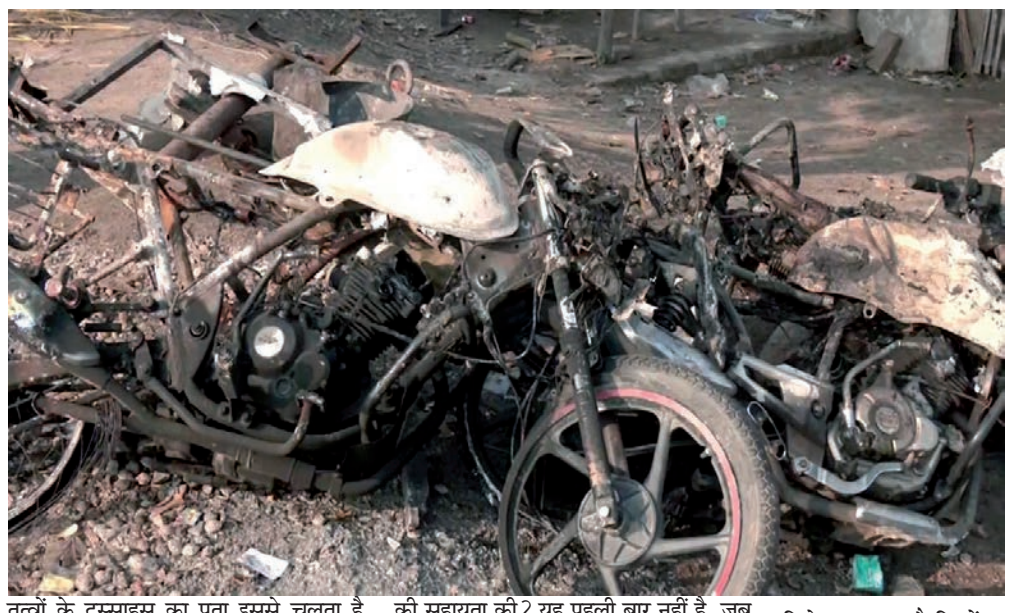

बंगाल में वक्फ कानून को लेकर हिंसा का सिलसिला जिस तरह तेज और सांप्रदायिक होता जा रहा है, जिस तरह से हिन्दुओं को निशाना बनाया जा रहा है, उन्हें मुर्शिदाबाद से पलायन को विवश किया जा रहा है, वह मुस्लिम तुष्टीकरण और दुष्प्रचार की खतरनाक राजनीति का प्रतिफल तो है ही, वह कुशासन एवं अराजकता की भी चरम पराकाष्ठा भी है। नए वक्फ कानून को लेकर कुछ राजनीतिक दल मुस्लिम समाज को विशेषतः किशोर बच्चों को हिंसा एवं तोड़फोड के लिये जानबूझकर सड़कों पर उतारने में लगे हुए हैं। वे उन्हें अराजकता एवं उन्माद के लिए उकसा भी रहे हैं और तरह-तरह से प्रोत्साहन दे रहे हैं। अराजकता फैलाने वाले किस तरह बेखौफ हैं, इसकी पुष्टि इससे होती है कि वे सरकारी-गैरसरकारी वाहनों को तोड़ने, जलाने के साथ पुलिस पर भी हमले कर रहे हैं। बंगाल के विभिन्न जिलों में वक्फ कानून के विरोध के बहाने फैलाई जा रही अराजकता इसलिए भी थमने का नाम नहीं ले रही हैं, क्योंकि खुद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस कानून के खिलाफ खड़ी होकर राजनीतिक रोटियां सेंकने का काम कर रही हैं। पश्चिम बंगाल में हिंसा का बढ़ना, हिन्दुओं में डर पैदा होना, भय का वातावरण बनना, आम जनजीवन का अनहोनी होने की आशंकाओं से घिरा होना चिंताजनक भी है और राष्ट्रीय शर्म का विषय भी है।

यह बंगाल पुलिस के नाकारापन एवं ममता सरकार के मुस्लिम तुष्टिकरण का ही दुष्परिणाम है कि मुर्शिदाबाद के साथ ही अन्य शहरों में भी वक्फ कानून के विरोध की आड़ में हिंसा, तोड़फोड, आगजनी हो रही है। खतरनाक यह है कि इस दौरान हिंदुओं को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने वक्फ कानून विरोधियों की अराजकता से उपजे हालात का संज्ञान लिया। मामला सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच गया है। इससे शर्मनाक एवं दर्दनाक और कुछ नहीं हो सकता कि मुर्शिदाबाद में 11 अप्रैल को हुई हिंसा के बाद करीब 500 हिंदू पलायन कर गए हैं। हिंदू परिवारों का आरोप है कि हिंसा के दौरान उनको चुन-चुनकर निशाना बनाया गया। उनके पीने के पानी में जहर तक मिला दिया गया है। इस हिंसा की जांच एजेंसियों ने पोल खोल दी है, यह हिंसा पूरी प्लानिंग के तहत की गई थी, जिसमें तुर्की से फंडिंग और स्थानीय मदरसों की मिलीभगत सामने आई है। हमलावरों को ट्रेनिंग दी गई और इनाम की व्यवस्था भी की गई थी। ममता बनर्जी एवं उनकी सरकार देश में एकमात्र ऐसी सत्तारुढ़ पार्टी एवं नेता बन गई है जिसका देश के संविधान, न्यायपालिका एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भरोसा नहीं रह गया है।

वक्फ कानून का विरोध करने सड़क पर उतरे तत्वों के दुस्साहस का पता इससे चलता है कि वे सीमा सुरक्षा बल के जवानों को भी निशाना बनाने से नहीं हिचक रहे हैं। उनके इसी दुस्साहस के चलते मुर्शिदाबाद के हिंदुओं ने खुद को असहाय पाया। बंगाल में कानून के शासन ने सुनियोजित हिंसा के दुष्चक्र के समक्ष एक बार फिर समर्पण कर दिया। बंगाल में इसके पहले भी ऐसा हो चुका है। मई 2021 में विधानसभा चुनावों के बाद वहां तृणमूल समर्थक तत्वों ने अपने राजनीतिक विरोधियों को इतना आतंकित किया था कि वे जान बचाने के लिए असम में शरण लेने को मजबूर हुए थे। तब भी वहां पुलिस मूकदर्शक बनी हुई थी। ताजा हिंसक हालातों में राज्य सरकार और उसके नेता यह झूठ देश के गले में उतारने में लगे हुए हैं कि बंगाल में स्थितियां नियंत्रण में हैं। यह कैसा नियंत्रण है? यह कैसी शासन-व्यवस्था है? यह कैसा दोगलापन है? जिसमें एक समुदाय खुलेआम दूसरे समुदाय को निशाना बना रहा है। खुलेआम सार्वजनिक मंचों पर राष्ट्र-विरोधी विचारों का जहर घोला जा रहा है।

वक्फ कानून में संशोधन का विरोध विडम्बनापूर्ण होने के साथ देश में अराजकता फैलाने का माध्यम बना हुआ है। वक्फ कानून में संशोधन के तहत किसी मस्जिद, मदरसे आदि को लेकर किसी भी तरह के नुकसान, कब्जा करने या दखल की बात नहीं कही गयी है। इसके विरोधी चाहे जो तर्क दें, इससे कोई इंकार नहीं कर सकता कि वक्फ बोर्ड भ्रष्टाचार का अड्डा बने हुए थे और सरकारी-निजी जमीनों पर मनमाने तरीके से दावा कर दिया करते थे। उनकी इस मनमानी का शिकार अनेक मुस्लिम भी थे। क्या वक्फ कानून के विरोधी यह बताने की स्थिति में हैं कि वक्फ बोर्डों ने अभी तक कितने गरीब मुसलमानों की सहायता की? यह पहली बार नहीं है, जब किसी कानून के खिलाफ सड़कों पर उतरकर उपद्रव, हिंसा, आगजनी की जा रही हो। इसके पहले नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ भी ऐसा ही किया गया था। तब यह झूठ फैलाया जा रहा था कि इस कानून के जरिये मुसलमानों की नागरिकता छीन ली जाएगी। अब यह झूठ फैलाया जा रहा है कि नए वक्फ कानून के जरिये सरकार मस्जिदों और कब्रिस्तानों पर कब्जा करना चाहती है। यह निरा झूठ और शरारत ही है। वक्फ कानून के विरोधी भले ही लोकतंत्र और संविधान की दुहाई दे रहे हों, लेकिन ये उसकी धज्जियां ही उड़ा रहे हैं। वे वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले की प्रतीक्षा करने के लिए तैयार नहीं।

मुर्शिदाबाद हिंसा के जरिए पूरे बंगाल में हिंसा फैलाने का प्लान तुर्की में बनाया गया था, इसके जरिए बंगाल के हालात भी ठीक बांग्लादेश की तरह करने की कोशिश थी। हिंसा को लेकर बाकायदा एक लिस्ट तैयार की गई थी कि कौन कहां नुकसान करेगा और लूटपाट मचाएगा। इसके साथ ही इनाम देने को लेकर योजनाएं बनाई गयी। हिंसा के दौरान इस बात का खास ध्यान देने का अलर्ट किया गया कि रेल और नॉर्मल ट्रांसपोर्ट न चल पाए। मौका मिलने पर हिंदुओं की हत्या करना भी टारगेट था। कुछ हिन्दुओं को मारा भी गया है। हिंदुओं के घरों के साथ मंदिरों पर हमले किए गए, घर जलाए गए, आजीविका नष्ट की गई, बलात्कार की धमकियां दी गयी, उससे यही स्पष्ट हो रहा है कि नए वक्फ कानून का विरोध करने वाले न केवल सांप्रदायिक घृणा में डूबे हैं, अराजकता एवं उन्माद पर सवार है, आतंकी माहौल बनाकर हिन्दुओं को भयभीय-आतंकित करना चाहते है। क्योंकि उन्हें यह भरोसा है कि ममता बनर्जी की सरकार और उनकी पुलिस उनके खिलाफ कुछ नहीं करने वाली। ज्यादा चिन्ताजनक तो यह है कि अराजक लोग चाहते हैं पलायन करने के लिए मजबूर लोग फिर कभी अपने घरों को न लौट पाएं। इन जटिल एवं अनियंत्रित होते अराजक हालातों में शांति, सौहार्द एवं सामान्य हालातों को निर्मित करने के लिये आवश्यक है कि केंद्र सरकार बंगाल में हस्तक्षेप करने के लिए आगे आए, बल्कि यह भी अपेक्षित है कि सुप्रीम कोर्ट वहां के हालात का स्वतः संज्ञान ले। उसे वक्फ कानून विरोधी हिंसक तत्वों के उपद्रव के लिए ममता सरकार को जवाबदेह बनाना ही होगा।

ममता वोट बैंक की राजनीति के लिये कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था की धज्जियां बार-बार उड़ाती रही है। ममता ने देश की एकता-अखंडता और सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को नजरअंदाज किया है, कानून से खिलवाड़ जितना पश्चिमी बंगाल में हुआ है उतना शायद ही देश के किसी दूसरे राज्यों में हुआ हो। ममता अपने बलबूते चुनाव जीतने का माद्दा रखती है तो फिर हिंसा का सहारा क्यों लेती है? अराजकता फैलाकर अपने ही शासन को क्यों दागदार बनाती है? क्यों अपने प्रांत की जनता को डराती है, भयभीत करती है? क्या ये प्रश्न ममता की राजनीतिक छवि पर दाग नहीं है? ममता एवं तृणमूल कांग्रेस का एकतरफा रवैया हमेशा से समाज को दो वर्गों में बांटता रहा है एवं सामाजिक असंतुलन तथा रोष का कारण रहा है। ताजा हिंसक हालात इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि किसी भी एक वर्ग की अनदेखी कर कोई भी दल राजसत्ता का आनंद नहीं उठा सकता। राज्य में शीर्ष संवैधानिक पद पर रहते हुए भी ममता बनर्जी ने अलोकतांत्रिक, गैर-कानूनी एवं राष्ट्र-विरोधी कार्यों को अंजाम दिया है। बंगाल में तो भ्रष्टाचार और साम्प्रदायिकता के जबड़े फैलाए, हिंसा की जीभ निकाले, मगरमच्छ सब कुछ निगल रहा है। ममता अपनी जातियों, ग्रुपों और वोट बैंक को मजबूत कर रही हैं-- देश को नहीं।

• ललित गर्ग लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

# 'नरसंहारी' का प्रत्यर्पण

दरअसल 26/11 मुंबई आतंकी हमला एक 'नरसंहार' था। उसमें 166 लोग मार दिए गए थे। यह दीगर है कि 9 आतंकियों को भी ढेर कर दिया गया। करीब 300 लोग घायल हुए। एक आतंकवादी अजमल कसाब जिंदा पकड़ा गया था, जिसे बाद में फांसी दे दी गई। पाकिस्तान ने ही उस 'नरसंहार' की साजिश रची थी। इसका बुनियादी सबूत यह है कि साजिशकारों में तहव्वुर राणा भी शामिल था, जो पाकिस्तानी फौज में डॉक्टर था। साजिश और हमले के दौरान वह पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई के मेजर इकबाल के लगातार संपर्क में रहा। अब 16 लंबे सालों और कुछ महीनों के बाद आतंकी साजिशकार तहव्वुर राणा भारत की गिरफ्त में है। हम राष्ट्रपति ट्रंप के आभारी हैं, क्योंकि उनके प्रशासन के तहत ही राणा का प्रत्यर्पण संभव हो सका है। 2014 में प्रधानमंत्री मोदी की सत्ता के बाद ही अमरीका के साथ प्रयास शुरू कर दिए गए थे, लेकिन राणा ने वहां की सर्वोच्च अदालत तक गुहार लगाई कि उसे भारत न भेजा जाए, क्योंकि उसे वहां की जेल में मारा जा सकता है, लेकिन नरसंहार की साजिश के साक्ष्य इतने पुख्ता थे कि अंततः अदालत ने प्रत्यर्पण के पक्ष में फैसला सुनाया। अब भारत में राणा के खिलाफ 'राष्ट्रीय जांच एजेंसी' (एनआईए) की अदालत में केस चलेगा। राणा के खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास, यूएपीए, भारत के खिलाफ युद्ध आदि की धाराओं के तहत केस चलेगा। बेशक बहुत देर हो चुकी है, लेकिन साक्ष्य आज भी जिंदा हैं। राणा भारत की गिरफ्त में है और सह-साजिशकार डेविड हेडली अब भी अमरीकी जेल में कैद है। उसके प्रत्यर्पण की प्रक्रिया अभी शुरू भी नहीं हुई है। वह अमरीकी नागरिक है। हालांकि भारतीय एजेंसियां एक बार उसके साथ सवाल-जवाब कर चुकी हैं। उसी के बाद वह 'सरकारी गवाह' किस्म का आरोपित बन गया था। भारत सरकार को उसे भी हासिल करने की कोशिशें छोडऩी नहीं चाहिए। बहरहाल एनआईए के आरोप-पत्र के मुताबिक, राणा ने भारत में ही हेडली से 231 बार संपर्क किया था। उन्होंने 8 रेकी मिशन भी चलाए थे और नरसंहार से पहले, अपने आखिरी मुंबई प्रवास के दौरान, राणा ने 66 फोन कॉल की थीं। राणा नवंबर, 2008 में ही दिल्ली में भी 11 दिनों तक ठहरा था। फिर पवई के एक होटल में रहा।

आतंकी हमले से पहले राणा दुबई चला गया था। भारत सरकार का मकसद है कि अब तहव्वुर राणा के खुलासों के जरिए पाकिस्तान की आतंकी भूमिका, दुनिया के सामने, बेनकाब की जानी चाहिए। यह इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि भारत सरकार ने अमरीकी प्रशासन को जो डोजियर भेजा था, उसमें राणा और हेडली के अलावा हाफिज सईद, जकीउर रहमान लखवी, इलियास कश्मीरी, साजिद मीर और आईएसआई के मेजर इकबाल से संबंधित ब्यौरे भी दिए गए थे। राणा को आईएसआई, हेडली और लश्कर-ए-तैयबा के दरमियान का संपर्क बताया गया था। अब इन खुलासों को भारत सरकार राणा के जरिए सत्यापित करना चाहती है। इनमें अधिकतर आरोपित पाकिस्तान में आज भी सक्रिय हैं। गौरतलब यह है कि यदि भारत सरकार नए सिरे से फाट्फ के सामने, पाकिस्तान के खिलाफ, पुख्ता सबूत रखती है और फाट्फ पाकिस्तान को 'ग्रे लिस्ट' में डालने का फैसला करता है, तो दुनिया में पाकिस्तान को भीख मिलना भी मुश्किल हो जाएगा। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई, निर्णायक तौर पर, इसी तरह लड़ी जा सकती है। एनआईए के लिए यह एक बहुत महत्वपूर्ण अवसर है। राणा से बेहतर पूछताछ के जरिए आतंकी नेटवर्क पर प्रहार करने की क्षमता वह बढ़ा सकती है। राणा को अमरीका में सजा भी होती रही और सजा से माफी भी मिलती रही, लेकिन फिलहाल वह एक 'हिरासत केंद्र' में कैद था।

## टेक्नोलॉजी

# WhatsApp लाया बड़ा अपडेट, अब स्टेटस पर सिर्फ 60 नहीं इतनी देर का लगा पाएंगे वीडियो, कैसे करें वीडियो अपडेट जानिए

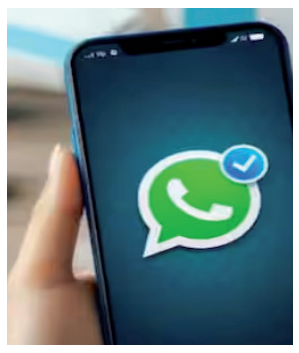

अब WhatsApp यूजर्स एक बार में 90 सेकंड तक का वीडियो स्टेटस लगा सकेंगे, जिससे लंबे वीडियो शेयर करना पहले से ज्यादा आसान हो जाएगा.

अगर आप भी WhatsApp पर वीडियो स्टेटस डालते वक्त उसे टुकड़ों में काट-काट कर अपलोड करने से परेशान हो चुके हैं, तो अब आपको राहत मिलने वाली है. WhatsApp ने अपने यूजर्स के लिए एक नया और काम का फीचर लाने की तैयारी कर ली है, जिससे अब स्टेटस में लंबा वीडियो लगाना पहले से आसान हो जाएगा.

अब 1 मिनट नहीं, 90 सेकंड का वीडियो स्टेटस - WhatsApp जल्द ही अपने स्टेटस फीचर की वीडियो लिमिट को बढ़ाकर 90 सेकंड करने वाला है. पहले जहां आप सिर्फ 60 सेकंड (1 मिनट) तक का वीडियो एक बार में लगा सकते थे, अब यह लिमिट 30 सेकंड और बढ़ा दी गई है. इसका सीधा फायदा उन यूजर्स को होगा जो लंबे वीडियो स्टेटस शेयर करना पसंद करते हैं.

अभी सिर्फ बीटा यूजर्स को मिला फायदा - फिलहाल ये फीचर सिर्फ WhatsApp के बीटा वर्जन में दिया गया है. यानी वो लोग जो ऐप के टेस्टिंग वर्जन का इस्तेमाल करते हैं, उन्हें ही अभी इसका एक्सेस मिला है. लेकिन जैसा कि आमतौर पर होता है, बीटा में आने के बाद यह फीचर जल्द ही सभी यूजर्स के लिए भी जारी कर दिया जाएगा.

कौन सा वर्जन है जरूरी? - यह नया फीचर WhatsApp Android वर्जन 2.25.12.9 में उपलब्ध कराया गया है. अगर आप बीटा यूजर हैं, तो इस वर्जन को Google Play Store से अपडेट करके आप नए फीचर का इस्तेमाल कर सकते हैं.

आपके फोन में आया या नहीं, ऐसे करें चेक - सबसे पहले Google Play Store खोलें

WhatsApp सर्च करें और चेक करें कि ऐप अपडेट हुआ है या नहीं

अगर अपडेट उपलब्ध है, तो ऐप को अपडेट करें

अब WhatsApp खोलें और Status टैब में जाकर 90 सेकंड का वीडियो अपलोड करने की कोशिश करें

अगर वीडियो बिना कटे अपलोड हो जाए, तो समझिए कि फीचर आपके लिए एक्टिवेट हो चुका है

क्यों जरूरी है ये अपडेट - आज के समय में लोग छोटे-छोटे वीडियो क्लिप के बजाय फुल और कंटीन्यू वीडियो शेयर करना पसंद करते हैं. ऐसे में हर बार वीडियो को 30 या 60 सेकंड के हिसाब से काटना थोड़ा झंझट वाला काम बन जाता है. अब 90 सेकंड तक का वीडियो सीधे स्टेटस पर डाल पाने से ना सिर्फ समय बचेगा, बल्कि स्टोरी भी ज्यादा इफेक्टिव और स्मूद तरीके से शेयर हो पाएगी.

## जनरल नॉलेज

# क्या होती है चार्जशीट, इसके कितने दिन बाद सुनाई जा सकती है सजा?

**नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग केस में सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर चार्जशीट फाइल की गई है. चलिए आज हम आपको बताते हैं कि आखिर चार्जशीट क्या होती है और इसके बाद सजा कब होती है.**

प्रवर्तन निदेशालय यानि ईडी ने नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग केस में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, सोनिया गांधी और कांग्रेस ओवरसीज प्रमुख सैम पित्रोदा के खिलाफ दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में चार्जशीट दर्ज की गई है. इसी मामले में ईडी ने सुमन दुबे समेत अन्य लोगों का नाम भी चार्जशीट में दाखिल किया है. अदालती प्रक्रिया में या फिर खबरों में तो हम चार्जशीट का नाम सुनते ही रहते हैं. लेकिन क्या आपको पता है कि आखिर चार्जशीट क्या होती है और कोर्ट कचहरी में इसकी क्या अहमियत है. चलिए इस बारे में जानते हैं.

क्या होती है चार्जशीट - चार्जशीट, आपराधिक अदालत में अपराध के आरोप साबित करने के लिए तैयार की गई आखिरी रिपोर्ट होती है. पुलिस अधिकारी या फिर जांच एजेंसियां मामले की जांच पूरी करने के बाद एक लिखित दस्तावेज तैयार करती हैं. चार्जशीट में पीड़ित व्यक्ति या फिर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा किए गए अपराध के बारे में लिखित या फिर मौखिक जानकारी शामिल होती है. चार्जशीट में नाम का विवरण, अपराध का विवरण और सूचना की प्रकृति शामिल होती है. यह प्रक्रिया सीआरपीसी की धारा 173 के तहत दर्ज की जाती है.

अदालत तय करती है आरोप - चार्जशीट में एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया से लेकर जांच पूरी होने तक की सारी जानकारी और रिपोर्ट शामिल होती है. जब चार्जशीट पूरी तरह से तैयार हो जाती है तो पुलिस स्टेशन का प्रभारी इसको एक मजिस्ट्रेट को देता है. मजिस्ट्रेट को अधिकार होता है कि वह चार्जशीट में मौजूद अपराध का संज्ञान ले, ताकि आरोप तय किए जा सकें. मजिस्ट्रेट के संज्ञान लेने के बाद वह शख्स को अभियुक्त मानते हैं. इसके बाद यह अदालत तय करत है कि अभियुक्तों में से किसके खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए सबूत हैं या फिर नहीं. जब अदालत आरोप तय कर देती है, इसके बाद आरोपी के खिलाफ कार्रवाई शुरू की जाती है.

कितने दिनों बाद सुनाई जाती है सजा - पुलिस 90 दिनों में चार्जशीट को तैयार करके अदालत में पेश करती है. यह अदालत में आरोपी के खिलाफ आरोप तय करने में मदद करती है और आगामी कानूनी प्रक्रिया के लिए तैयार करती है. अदालत चार्जशीट देखकर यह तय करती है कि आरोपी के खिलाफ पर्याप्त सबूत हैं या नहीं. अगर सबूत पर्याप्त नहीं हुए तो वह आरोपों को निरस्त कर सकती है. इसके अलावा उसमें IPC की धारा या फिर अन्य प्रासंगिक धाराओं के बारे में लिखा जाता है,

# भारतीय हथियारों से होगी एशिया और यूरोप में जंग युद्ध के मुहाने पर ये दो देश, कभी भी छिड़ सकता है संग्राम

एजेंसी येरेवन

एशिया और यूरोप के दो देशों में एक बार फिर युद्ध का खतरा मंडराने लगा है। ये दोनों देश अपने जन्म ही एक दूसरे के दुश्मन हैं और कई युद्ध भी लड़ चुके हैं। इसके बावजूद इन दोनों देशों की दुश्मनी बनी हुई है और एक नया युद्ध इंतजार कर रहा है। इन दोनों देशों का नाम आर्मेनिया और अजरबैजान है। आर्मेनिया और अजरबैजान ने एक महीने से अभी अधिक समय पहले ऐलान किया था कि दोनों देशों में शांति समझौते का मसौदा पूरा हो चुका है, लेकिन अब तक उस पर हस्ताक्षर नहीं हो सके हैं। इस बीच आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच तनाव खतरनाक रूप से बढ़ रहा है। दोनों देश अस्थिर सीमा पर सैन्य निर्माण और युद्ध विराम उल्लंघन के लिए एक-दूसरे को दोषी ठहरा रहे हैं। इन बढ़ते तनावों के बीच, हाल में ही आर्मेनिया और ईरान ने संयुक्त सैन्य अभ्यास को समाप्त किया है। 'शांति' नामक सैन्य अभ्यास में अर्मेनियाई स्पेशल फोर्सेज और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (IRGC) ग्राउंड फोर्स के ईरान के आशूरा डिवीजन शामिल थे। यह अभ्यास नखचिवन के अजरबैजानी एक्सक्लेव के करीब नोडुज के संवेदनशील सीमा क्षेत्र में आयोजित किया गया था। ईरान के IRGC ग्राउंड फोर्सेस ऑपरेशनल डिप्टी कमांडर वलियोल्लाह मदनी ने कहा कि अभ्यास का उद्देश्य सहयोग को मजबूत करना और पड़ोसी देशों की संप्रभुता को बनाए रखना है। IRGC कमांडर के इस संदेश को ईरान की ओर से अजरबैजान को एक सख्त संदेश भी माना जा रहा है। ईरान ने पहले भी चेतावनी दी है कि अगर आर्मेनिया के इस क्षेत्र पर अजरबैजान आक्रमण करता है तो उसे करारा जवाब दिया जाएगा। इसका प्रमुख कारण इस गलियारे से ईरान का रूस के साथ जमीनी कनेक्शन है। अगर आर्मेनिया के इस हिस्से पर अजरबैजान कब्जा करता है तो यह ईरान के लिए बड़ा झटका होगा। वहीं अजरबैजान जमीनी रूप से खुद को अपने आका तुर्की से जोड़ लेगा। ईरान और तुर्की के बीच संबंध पहले से ही तनावपूर्ण हैं। तुर्की सुन्नी मुस्लिम देश होने के अलावा नाटो सदस्य देश है, जिसके अमेरिका और सऊदी अरब के साथ मजबूत संबंध हैं। आर्मेनिया का ईरान के साथ सैन्य गठबंधन दोनों देशों के क्षेत्रीय हित में भी हैं। आर्मेनिया जन्म के बाद ही रूस के नेतृत्व वाले सामूहिक सुरक्षा संधि संगठन (CSTO) का सदस्य बना। लेकिन, 2020 में अजरबैजान के साथ युद्ध के दौरान रूस ने कोई मदद नहीं की और इसका खामियाजा आर्मेनिया को चुकाना पड़ा। इसके बाद आर्मेनिया पूर्व सोवियत देश होने के बावजूद पश्चिमी देशों के करीब आया और अमेरिका के साथ युद्धाभ्यास भी किया। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की स्पीकर नैन्सी पेलोसी ने आर्मेनिया का दौरा भी किया था और अमेरिका के मदद का भरोसा भी दिया था। हालांकि आर्मेनिया रूस और अमेरिका की सुरक्षा गारंटियों से काफी निराश है। इस कारण वह तेजी से ईरान के करीब आया है, जो पड़ोसी होने के साथ ही तनावपूर्ण क्षेत्र का हितग्राही भी है। ईरान ने बार-बार जोर देकर कहा है कि वह काकेशस में किसी भी क्षेत्रीय परिवर्तन का दृढ़ता से विरोध करता है। मई 2024 में, सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई ने आर्मेनिया से जुड़े सीमा मुद्दों के प्रति ईरान की बढ़ती संवेदनशीलता पर जोर दिया। उनके रुख को बाद में IRGC के सदस्य और संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबफ ने पुष्ट किया, जिन्होंने आर्मेनियाई प्रधानमंत्री निकोल पाशिनयान को आश्वस्त किया कि ईरान क्षेत्रीय सीमाओं के किसी भी पुनर्निर्धारण का दृढ़ता से विरोध करेगा। जुलाई 2024 में, लॉन्ग वॉर जर्नल ने बताया कि ईरान और आर्मेनिया ने 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर के हथियार सौदे पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत तेहरान येरेवन को सैन्य उपकरण, जिसमें शाहेद 136, शाहेद 129, शाहेद 197 और मोहजर ड्रोन शामिल हैं, साथ ही 3 खोरदाद, माजिद, 15 खोरदाद और अरमान जैसे एयर डिफेंस सिस्टम भी प्रदान करेगा। इस बीच, जब तेहरान और येरेवन 9-10 अप्रैल को संयुक्त सैन्य अभ्यास कर रहे थे, तब अजरबैजान सीरिया में उभरती स्थिति पर चर्चा करने के लिए इजरायल और तुर्की के प्रतिनिधिमंडलों की मेजबानी कर रहा था, जहां इजरायल ने अंकारा की सैन्य उपस्थिति की स्थापना को रोकने के प्रयासों के तहत कम से कम तीन तुर्की एयरबेस पर हमला किया है। आर्मेनिया लगातार भारत से हथियारों की खरीद कर रहा है। रक्षा मंत्रालय की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत और आर्मेनिया की राजधानी येरेवन के बीच सैन्य सहयोग निरंतर बढ़ रहा है। पिछले चार वर्षों में आर्मेनिया भारत से हथियारों का सबसे बड़ा आयातक बनकर उभरा है। आर्मेनिया ने 2022 में पहले विदेशी खरीदार के तौर पर भारत को 720 मिलियन डॉलर में 15 आकाश मिसाइल प्रणालियों का ऑर्डर दिया था। भारतीय वित्त मंत्रालय की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पिनाका मल्टीपल-लॉन्च रॉकेट सिस्टम और आकाश एंटी-एयरक्राफ्ट सिस्टम की खरीद पर सौदे करने के बाद पूर्व सोवियत गणराज्य आर्मेनिया भारत से हथियारों का सबसे बड़ा आयातक बन गया है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि मौजूदा वित्तीय वर्ष 2024-25 की शुरुआत तक भारत से आर्मेनिया द्वारा खरीदे गए हथियारों की कुल मात्रा 600 मिलियन डॉलर तक पहुंच गई है। कई मिलियन डॉलर के रक्षा सौदों के तहत अर्मेनियाई सेना को भारत में निर्मित होवित्जर, एंटी-टैंक रॉकेट और एंटी-ड्रोन उपकरण की आपूर्ति की जानी है। 2023 में आर्मेनिया ने भारत के साथ सैन्य सहयोग को मजबूत करने के लिए भारत में अपने दूतावास में एक रक्षा अताशे को नियुक्त किया था। यह निर्णय 2022 में आर्मेनिया से भारतीय हथियार निर्माताओं के साथ कई रक्षा सौदों पर हस्ताक्षर करने के बाद आया। कुल 245 मिलियन डॉलर के इन सौदों में भारतीय मल्टीपल लॉन्च रॉकेट सिस्टम, एंटी-टैंक रॉकेट और गोला-बारूद का अधिग्रहण शामिल था। भारत में अर्मेनियाई रक्षा अताशे की मौजूदगी से येरेवन और नई दिल्ली को आधिकारिक और कूटनीतिक तरीके से सैन्य सहयोग मिला। इससे दोनों देशों के रक्षा संबंध लगातार मजबूत हुए हैं।

# खाड़ी देशों में पहुंचा अमेरिका का दूसरा परमाणु एयरक्राफ्ट कैरियर, 75 फाइटर जेट से लैस, ईरान पर अब होकर रहेगा हमला

एजेंसी तेहरान

ईरान ने ओमान में अमेरिकी अधिकारियों के साथ पहले राउंड की बैठक को सकारात्मक बताया है। लेकिन क्या बैठक वाकई सकारात्मक थी? ये सवाल इसलिए उठ रहे हैं क्योंकि दूसरे राउंड की बैठक से पहले अमेरिका ने अपने दूसरे एयरक्राफ्ट कैरियर USS Carl Vinson को भी मिडिल ईस्ट में भेज दिया है। एसोसिएटेड प्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, सैटेलाइट तस्वीरों में खुलासा हुआ है कि दूसरा एयरक्राफ्ट कैरियर, जिसमें विनाशक फाइटर्स जेट्स लदे हुए हैं, वो मिडिल ईस्ट के जलक्षेत्र में एक्टिव है। फिलहाल इसका खुलासा नहीं किया गया है कि दोनों देशों के बीच दूसरे राउंड की बातचीत कहां होने वाली है, क्योंकि अमेरिकी अधिकारियों ने पहले रोम का नाम लिया था। लेकिन मंगलवार की सुबह ईरान ने जोर देकर कहा है कि वे (अमेरिकी अधिकारी) ओमान लौट जाएंगे। अमेरिकी अधिकारियों ने अब तक यह नहीं बताया है कि वार्ता कहां होगी। दूसरी तरफ अरब सागर में यूएसएस कार्ल विंसन और उसके स्ट्राइक ग्रुप ऐसे समय में पहुंचे हैं, जब संदिग्ध अमेरिकी हवाई हमलों ने मंगलवार रात में यमन के उन हिस्सों को निशाना बनाया है, जिनपर ईरान समर्थिक हूती विद्रोहियों का नियंत्रण है। अमेरिकी अधिकारियों ने बार-बार राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में हूतियों के खिलाफ हमले किए हैं। माना जा रहा है कि ईरान पर दबाव बनाने के लिए ऐसा किया जा रहा है। जबकि ट्रंप कह चुके हैं कि बातचीत फेल होने पर ईरान पर हमले किए जाएंगे। अमेरिका और ईरान के बीच करीब 50 सालों से ज्यादा वक्त से दुश्मनी है, लिहाजा दूसरे राउंड की बातचीत काफी ज्यादा महत्वपूर्ण हो गई है। ट्रंप ने बार-बार धमकी दी है कि अगर कोई समझौता नहीं हुआ तो वे ईरान के परमाणु कार्यक्रम को निशाना बनाकर हवाई हमले करेंगे। ईरानी अधिकारी लगातार चेतावनी दे रहे हैं, कि वे अपने यूरेनियम भंडार को हथियार-स्तर के स्तर तक समृद्ध करके परमाणु हथियार बनाने की कोशिश कर सकते हैं। पिछले हफ्ते ओमान में हुई बैठक के बाद ट्रंप प्रशासन के मिडिल ईस्ट के दूत स्टीव विटकॉफ ने अलग से संकेत दिया था कि ट्रंप प्रशासन 2015 के परमाणु समझौते की शर्तों पर विचार कर सकता है। ये हैरान करने वाली बात इसलिए है, क्योंकि 2018 में ट्रंप प्रशासन ही ईरान के साथ परमाणु समझौते से बाहर निकल आया था। विटकॉफ ने सोमवार रात फॉक्स न्यूज को बताया था कि बातचीत में "मिसाइलें, मिसाइलों का प्रकार शामिल है जो उन्होंने वहां जमा कर रखा है। बातचीत में एटम बम के लिए ट्रिगर भी शामिल है।" उन्होंने कहाः "हम यह देखने के लिए यहां हैं कि क्या हम इस स्थिति को कूटनीतिक रूप से और बातचीत के साथ हल कर सकते हैं।" यूरोपीय संघ के कोपरनिकस कार्यक्रम ने सोमवार को ली गई सैटेलाइट तस्वीरों में कैलिफोर्निया से संचालित वाले वाले एयरक्राफ्ट कैरियर कार्ल विंसन को यमन के पास सोकोट्रा द्वीप के उत्तर-पूर्व में ऑपरेट हुए देखा, जो अदन की खाड़ी के मुहाने के पास स्थित है। विंसन के साथ टिकोन्डरोगा-क्लास गाइडेड मिसाइल क्रूजर यूएसएस प्रिंसटन और दो आर्ले बर्क-क्लास गाइडेड मिसाइल विध्वंसक, यूएसएस स्टेरेट और यूएसएस विलियम पी. लॉरेंस भी हैं। ये एक हमला करने वाला स्ट्राइक ग्रुप है, लिहाजा सवाल उठ रहे हैं कि क्या अगर ये बातचीत अगर फेल होती है, तो क्या अमेरिका, ईरान पर हमला कर देगा?

# इजरायल के आगे नहीं करेंगे सरेंडर... हमास ने किया बड़ा ऐलान, सीजफायर प्रस्ताव खारिज किया, नेतन्याहू ने भी कसी कमर

एजेंसी तेल अवीव

गाजा युद्ध के जल्द खत्म होने की उम्मीद अब कम ही नजर आ रही है। हमास ने सीजफायर के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है जिसमें गाजा के सभी हथियारबंद गुटों से कहा गया था कि वे सरेंडर कर दें। हमास ने यह भी आरोप लगाया कि इजरायल के पीएम नेतन्याहू शांति प्रयासों और 18 महीने से चले आ रहे युद्ध को खत्म करने में बाधा डाल रहे हैं। हमास के अधिकारी सामी अबू जुहरी ने सोमवार को कहा कि उनका समूह लोगों की पीड़ा को कम करने के लिए सभी प्रस्तावों पर बातचीत के लिए तैयार है। लेकिन इजरायल ने जो ताजा प्रस्ताव दिया है और फलस्तीनी लोगों से उसे मानने के लिए कहा, वह 'सरेंडर' करने के लिए है। इस बीच इजरायल को अमेरिका ने भी करोड़ों डॉलर के नए हथियार भेजे हैं और इजरायल बड़ी सैन्य कार्रवाई करने जा रहा है। अबू जुहरी ने कहा, 'नेतन्याहू सीजफायर समझौते में बाधा डालने के लिए असंभव वाली शर्तें रख रहे हैं।' उसने कहा कि इजरायल अपने ताजा प्रस्ताव में यह वादा नहीं कर रहा है कि वह हमले पूरी तरह से बंद कर देगा। इजरायल केवल यह चाहता है कि उसे बंधक वापस मिल जाएं। हम सभी जिंदा और मरे हुए बंधकों को रिहा करने के लिए तैयार हैं लेकिन यह तब होगा जब युद्ध को खत्म कर दिया जाएगा और गाजा से इजरायली सेना वापस लौट जाएगी।' हमास के प्रवक्ता ने कहा कि हमास आंदोलन के लिए सरेंडर विकल्प नहीं है और हम लोगों की इच्छा को तोड़ने को स्वीकार नहीं करेंगे। हमास सरेंडर नहीं करेगा, हम हार नहीं मानेंगे और हमला करने वाली ताकत के खिलाफ सभी तरह के दबाव के तरीके अपनाएंगे। इजरायल के ताजा प्रस्ताव में 45 दिन की शांति की बात कही गई है। इसमें सभी बंधकों को रिहा करने के लिए कहा गया है। इसके बदले में इजरायल गाजा के अंदर खाना और सहायता जाने देगा। इस बीच इजरायल की मोसाद खुफिया एजेंसी के 250 से अधिक पूर्व अधिकारियों ने सरकार से गाजा पट्टी में युद्ध को तुरंत समाप्त करने की अपील की। इजरायल के सरकारी स्वामित्व वाले कान टीवी न्यूज के मुताबिक पूर्व अधिकारियों ने सरकार को पत्र लिखकर यह मांग की। रिपोर्ट के अनुसार, हस्ताक्षरकर्ताओं में मोसाद के तीन पूर्व प्रमुख डैनी याटोम, एफ्रेम हेलेवी और तामीर पार्डो के साथ-साथ दर्जनों अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हैं। मोसाद के पूर्व सदस्यों ने कहा, 'लगातार लड़ाई बंधकों और हमारे सैनिकों के जीवन को खतरे में डाल रही है। इस पीड़ा को समाप्त करने वाले समझौते तक पहुंचने के लिए हर संभव प्रयास किया जाना चाहिए। हम सरकार से साहसी फैसला लेने और देश की सुरक्षा के लिए जिम्मेदारी से काम करने की अपील करते हैं।' समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, उन्होंने उन सैकड़ों सैन्य कर्मियों, (चाहे वे रिजर्व में हों या रिटायरमेंट), के प्रति समर्थन व्यक्त किया जिन्होंने इसी तरह के पत्र पर हस्ताक्षर किए थे। पत्र में युद्ध समाप्त करने और बंधकों की वापसी की अपील की गई थी।

# इंडोनेशिया में लड़ाकू विमानों की तैनाती चाहते हैं पुतिन भारत के करीबी दोस्त के पैरों तले खिसकी जमीन, वॉशिंगटन से कैनबरा तक दहशत

एजेंसी जकार्ता

रूस ने अमेरिका को एक ऐसा झटका दिया है, जिसका अंदाजा उसे कभी नहीं था। ऐसी खबरें सामने आई हैं कि रूस ने इंडोनेशिया से औपचारिक रूप से अनुमति मांगी है, कि वह ऑस्ट्रेलिया के डार्विन से सिर्फ 1200 किलोमीटर की दूरी पर 'पापुआ के बियाक नम्फोर' में मनुहुआ एयरबेस पर लंबी दूरी के लड़ाकू विमान तैनात करना चाहता है। डिफेंस मैगजीन जेन्स ने इस रिपोर्ट का खुलासा किया है, जिसने ऑस्ट्रेलिया के साथ साथ अमेरिका में भी हलचल मचा दी है। इस रिपोर्ट के सामने आते ही ऑस्ट्रेलियन प्रधानमंत्री एंथनी एल्बनीज ने इंडोनेशिया से फौरन स्पष्टीकरण मांगा है। इसके अगले दिन ऑस्ट्रेलियाई रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस ने घोषणा की, कि उन्होंने अपने इंडोनेशियाई समकक्ष सजफ्री सजमसोएद्दीन से बात की है, जिन्होंने आश्वासन दिया है कि ये रिपोर्ट गलत है। अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के लिए ये खबर पैरों तले जमीन खिसकाने वाली है, क्योंकि अगर ऐसा होता है तो रूसी लड़ाकू विमान ऑस्ट्रेलिया से सिर्फ 1200 किलोमीटर की दूरी पर होगा। ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका में काफी करीबी संबंध हैं। ऐसे में इस लड़ाकू विमानों से ऑस्ट्रेलिया के साथ साथ अमेरिका के लिए खतरा पैदा होता है। इंडोनेशिया के सबसे पूर्वी प्रांत में बियाक द्वीप पर स्थित मनुहुआ एयरफोर्स बेस, ग्लोबल स्टैंडर्ड के हिसाब से एक मामूली सुविधा है। यह फ्रैंस कैसीपो हवाई अड्डे के साथ एक रनवे साझा करता है और इंडोनेशियाई वायु सेना के एविएशन स्क्वाड्रन 27 का घर है, जो CN235 निगरानी विमानों के एक छोटे बेड़े का संचालन करता है। इंडोनेशिया में एयरक्राफ्ट क्यों तैनात करना चाहता है रूस? इस बेस में नया बनाया गया 9वीं एयर विंग भी है। हालांकि जेन्स ने अपने खुलासे में कहा है कि अभी तक रूसी विमानों को रनवे सौंपा नहीं गया है। इस एयर बेस का स्थान प्रशांत क्षेत्र में प्रमुख समुद्री मार्गों तक संभावित पहुंच प्रदान करता है, जिसमें दक्षिण चीन सागर तक पहुंचने का रास्ता भी शामिल है, जो अमेरिका-चीन तनाव का केंद्र है। हालांकि ऐतिहासिक रूप से, बियाक में सीमित विदेशी सैन्य गतिविधि देखी गई है और इससे पहले रूस ने 2017 में एक गश्ती मिशन का आयोजन किया था, जिसमें उसने मनुहुआ से दो परमाणु-सक्षम टीयू-95 बमवर्षक उड़ाए थे। हालांकि वो घटना अस्थाई थी फिर भी उसने पश्चिमी देशों की नींद उड़ाकर रख दी थी। मनुहुआ में बुनियादी ढांचा को लेकर लगातार आशंका बना रहती है कि इसे रूसी विमानों के लिए डिजाइन किया गया है। बेस का रनवे फिलहाल CN235 जैसे छोटे विमानों के लिए पर्याप्त है, लेकिन भारी स्ट्रैटजिक बमवर्षकों या लंबी दूरी के टोही प्लेटफार्मों को ऑपरेट करने के लिए रनवे का विस्तार करना होगा एक्सपर्ट्स का कहना है अपने लड़ाकू विमानों को इंडोनेशिया के इस एयरबेस पर तैनात करने के लिए रूस को रनवे का विस्तार करना होगा, जिसमें भारी भरकम खर्च आएगा। इसके लिए फंड जुटाना रूस के लिए मुश्किल होगा, क्योंकि वो पहले से ही यूक्रेन युद्ध में फंसा हुआ है। लेकिन माना जाता है कि अगर रूस ने मनुहुआ में लड़ाकू विमानों का तैनात करने का फैसला किया है, तो उन विमानों में टूपोलेव टीयू-95 और टीयू-160 जैसे रणनीतिक बमवर्षक हो सकते है। इन विमानों को परमाणु बम गिराने या भारी भरकम बमों को गिराने के लिए डिजाइन किया गया है।

# अभी तो ये अंगड़ाई है... भीषण गर्मी के लिए रहें तैयार, भारत-पाकिस्तान में पहुंचेगा अमेरिका के डेथ वैली जितना तापमान

एजेंसी वॉशिंगटन

अप्रैल महीने में ही भीषण गर्मी ने लोगों के पसीने छुड़ा दिए हैं। हालात इतने गंभीर हैं कि अभी से लोग भरी दुपहरी बाहर निकलने से परहेज कर रहे हैं। इस बीच मौसम वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि इस साल गर्मी सभी रिकॉर्ड तोड़ सकती है। खासकर भारत और पाकिस्तान में। ये दोनों देश अगले कुछ महीनों में अभूतपूर्व गर्मी का सामना करने वाले हैं। इस दौरान तापमान अमेरिका के डेथ वैली जितना पहुंच सकता है, जिसे दुनिया की सबसे गर्म जगहों में से एक माना जा रहा है। इससे लोगों के लिए न सिर्फ भीषण गर्मी को सहना पड़ेगा बल्कि अपने जीवन-यापन के तौर तरीकों में भी बदलाव करना पड़ेगा। इस गर्मी का असर महत्वपूर्ण फसलों, ऊर्जा आपूर्ति और आजीविका पर भी पड़ने की आशंका है। भारत में इस साल अत्याधिक गर्मी पड़ रही है, जो समय से पहले ही आ गई है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, देश के कुछ हिस्सों में लोगों को अप्रैल में "सामान्य से अधिक गर्मी वाले दिनों" के लिए तैयार रहने की चेतावनी दी है। विभाग के अनुसार, राजधानी दिल्ली में अधिकतम तापमान इस महीने कम से कम तीन बार 40 डिग्री सेल्सियस (104 फ़ारेनहाइट) को पार कर चुका है, जो मौसमी औसत से 5 डिग्री अधिक है। उत्तर-पश्चिम में राजस्थान सहित कई पड़ोसी राज्यों में भी भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा है, जहां मजदूर और किसान मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। लू और भीषण गर्मी के कारण लोगों के बीमार होने की खबरें सामने आने लगी हैं। मौसम विभाग के अनुसार, राजस्थान के कुछ हिस्सों में अधिकतम तापमान सोमवार को 44 डिग्री सेल्सियस (111 फ़ारेनहाइट) तक पहुंच गया। भीषण गर्मी में लोगों को बाहर निकलते ही पीने के पानी की तुरंत कमी हो जाती है, लोगों को अक्सर उल्टी जैसा महसूस होता है, वे बीमार पड़ जाते हैं या उन्हें चक्कर आने लगते हैं। गर्मी का असर सिर्फ भारत पर ही नहीं, बल्कि पाकिस्तान पर भी पड़ रहा है। पाकिस्तान पहले ही आर्थिक तंगी से गुजर रहा है। ऐसे में सरकार सिर्फ आवश्यक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए ही ऊर्जा जरूरतों को पूरा कर पा रही है। ऐसे में बिना ऊर्जा आपूर्ति के भीषण गर्मी को काटना पाकिस्तान के लिए एक बुरे सपने जैसा हो सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, 14-18 अप्रैल के बीच पाकिस्तान के कुछ हिस्सों में सामान्य से 8 डिग्री सेल्सियस अधिक गर्मी पड़ने की संभावना है। देश के दक्षिण-पश्चिम में बलूचिस्तान में अधिकतम तापमान 49 डिग्री सेल्सियस (120 फ़ारेनहाइट) तक पहुंच सकता है। मौसम वैज्ञानिकों को आशंका है कि भारत और पाकिस्तान में गर्मियों के दौरान तापमान अमेरिका के डेथ वैली जितना पहुंच सकता है। डेथ वैली उत्तरी अमेरिका में सबसे गर्म और सबसे शुष्क स्थान है।

# मोदी से क्यों नहीं सीखते, भाई-बहन को लेकर बेलारूस पहुंचे शहबाज... पाकिस्तानी एक्सपर्ट ने अपने नेताओं को लगाई फटकार

एजेंसी इस्लामाबाद

पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ, उनके भाई पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने हाल ही में परिवार के साथ बेलारूस का दौरा किया है। बेलारूस के प्रेसीडेंट के न्योते पर पहुंचे शरीफ परिवार ने इस दौरान बेलारूस के कुछ पाकिस्तानियों से भी मुलाकात की। पूरे शरीफ परिवार के बेलारूस जाने और वहां किसी आम पाकिस्तानी के बजाय खास लोगों से मिलने पर पाकिस्तान के राजनीतिक टिप्पणीकार और यूबट्यूबर कमर चीमा ने सवाल उठाया है। चीमा का कहना है कि इस पर हमें भारत और नरेंद्र मोदी से सीखने की जरूरत है। कमर चीमा ने सोमवार को जारी अपने वीडियो में कहा, 'इंडिया के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फ्रांस गए तो वहां भारतीय वैज्ञानिकों से मुलाकात की थी। देर तक बैठकर उनसे बात की थी। इससे पहले कुवैत के दौरे पर भी नरेंद्र मोदी ने भारतीयों से मुलाकात की। ये वो भारतीय थे, जो वहां छोटीमोटी नौकरी या मजदूरी का काम करते हैं ना कि कोई बिजनेसमैन हैं। दूसरी ओर पाकिस्तान के लीडर दूसरे देशों में जाकर एलीट (उच्चवर्ग) से मिलती है। ये बहुत बड़ा फर्क है।' कमर चीमा ने कहा कि विदेशों में भारतीय पीएम और पाकिस्तानी पीएम की जो मुलाकातें है, वो एक बड़ा फर्क पैदा करती हैं। मोदी अगर सऊदी या अमेरिका में किसी आम इंसान से मिलते हैं तो भारत में भी इसका एक मैसेज जाता है। एक आम भारतीय को लगता है कि ये हमारे बीच का आदमी है। ये हमारे जैसे लोगों से बात कर रहा है। वहीं जब कोई लीडरशिप आम लोगों के पास ही नहीं आती तो लोगों में भी उनके लिए दूरी बनती है। वो अपने नेताओं से दूर चले जाते हैं। चीमा ने आगे कहा, 'नरेंद्र मोदी का जो स्टाइल है, विदेशों में जाने और लोगों से मिलने का, उसे आखिर पाकिस्तानी लीडर्स क्यों नहीं अपना रहे हैं। नरेंद्र मोदी से आखिर पाकिस्तानी लीडर्स क्यों नहीं सीखते हैं। मुझे तो लगता है कि पाकिस्तानी सियासतदान को नरेंद्र मोदी से सीख लेने की जरूरत है। पाकिस्तानी लीडर्स को एक छोटे गुट से निकलकर आम लोगों के बीच आने की जरूरत है।' कमर चीमा ने कहा कि पाकिस्तानी और भारत के नेताओं में एक और फर्क ये है कि पाकिस्तानी पूरे परिवार को लेकर विदेश जाते हैं। दूसरी ओर भारत के नेता इससे बचते हैं। अब बेलारूस के शरीफ के हालिया दौरे पर ही बात की जाए तो वहां शहबाद शरीफ, नवाज शरीफ, मरियम नवाज, मरियम नवाज की बहन और बेटी और परिवार के कुछ बच्चे भी गए थे। ये ऐसा ही है कि ये हम हैं और ये हमारा परिवार और यहां पर हमारी पार्टी हो रही है। चीमा का कहना है कि नेताओं के इस बर्ताव की वजह से ही पाकिस्तान में परिवारवाद का आरोप लगता है और इस इल्जाम में गलत भी क्या है। शरीफ परिवार हो या पीपीपी के आसिफ जरदारी और बिलावल भुट्टो, सब अपने परिवार को ही विदेश लेकर जाते हैं। जरदारी खुद प्रेसीडेंट बनें तो बेटी को फर्स्ट लेडी बनावाया। इससे लोगों में ये संदेश जाता है कि राजनीतिक पार्टियां अपने परिवारों को लिए काम कर रहे हैं। कमर चीमा का कहना है कि जब राजनेताओं की छवि खराब होती है तो इसका फायदा आर्मी या फिर तानाशाह टाइप के लोगों को मिलता है। ये लोग जब अवाम से कहते हैं कि देखों येतो परवार के लिए काम कर रहे हैं और हम चीजें ठीक करेंगे तो कहीं ना कहीं लोगों को समझ आ जाता है। ऐसे में ये जरूरी है कि राजनेता इस तरह दिखें और काम करें कि उनमें लोगों का विश्वास बढ़े।

# मुंबई इंडियंस की 5 विकेट से बेहतरीन जीत, सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2025 में गंवाया पांचवां मैच

मुंबई, एजेंसी | आईपीएल के 33वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को 4 विकेट से मात दी। टॉस गंवाकर हैदराबाद की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 162 रन ही बना सकी। जिसके जवाब में मुंबई इंडियंस ने 11 गेंद शेष रहते मैच अपने नाम कर लिया। वहीं MI के लिए विल जैक्स ने सबसे ज्यादा 36 रन की पारी खेली।

वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए आईपीएल के 33वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को 4 विकेट से मात दी। टॉस गंवाकर हैदराबाद की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 162 रन ही बना सकी। जिसके जवाब में मुंबई इंडियंस ने 11 गेंद शेष रहते मैच अपने नाम कर लिया। वहीं MI के लिए विल जैक्स ने सबसे ज्यादा 36 रन की पारी खेली। जबकि हैदराबाद के लिए पैट कमिंस ने 3 विकेट अपने नाम किए। मुंबई की ये तीसरी जीत है वहीं हैदराबाद ने आईपीएल 2025 में अपना पांचवां मैच गंवाया है।

163 रनों का पीछा करते हुए मुंबई की शुरुआत अच्छी रही। रोहित शर्मा ने टीम को बेहतरीन शुरुआत दिलाई लेकिन 26 के निजी स्कोर पर वह अपना विकेट गंवा बैठे। रिकल्टन ने 23 गेंद में 31 रन बनाए। सूर्यकुमार यादव 15 गेंद में 26 रन और विल जैक्स ने 26 गेंद में 36 र की पारी खेली। हार्दिक ने 9 गेंद में 21 रन बनाए। तिलक वर्मा 17 गेंद में 21 रन बनाकर नाबाद लौटे। हैदराबाद की ओर से कप्तान कमिंस ने 3 और हर्षल पटेल को एक विकेट की सफलता मिली।

इससे पहले सनराइजर्स हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 162 रन बनाए। हैदराबाद की ओर से अभिषेक शर्मा ने सबसे ज्यादा 40 रन बनाए। पहले बल्लेबाजी करने उतरी सनराइजर्स हैदराबाद टीम के सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा को पहले ओवर में जीवनदान मिला। अभिषेक शर्मा 28 गेंद में 40 रन बनाकर आउट हुए। ईशान किशन दो रन ही बना सके।

# रियाल मैड्रिड को हराकर आर्सेनल चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में

नई दिल्ली, एजेंसी | आर्सेनल की तरफ से दूसरा गोल गेब्रियाल मार्टिनेली ने इंजरी टाइम में किया। रियाल मैड्रिड के स्टार स्ट्राइकर किलियन एमबाप्पे को चोटिल होने के कारण 75 मिनट के बाद मैदान छोड़ना पड़ा था।

आर्सेनल ने बुधवार को गत चैंपियन रियाल मैड्रिड को क्वार्टर फाइनल के दूसरे चरण में 2-1 से हराकर 2009 के बाद पहली बार चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

आर्सेनल ने पिछले सप्ताह लंदन में खेले गए क्वार्टर फाइनल के पहले चरण में 3-0 से जीत हासिल की थी और इस तरह से उसने रियाल मैड्रिड को कुल मिलाकर 5-1 से करारी शिकस्त दी। आर्सेनल ने इस तरह से पहली बार यूरोप की शीर्ष क्लब प्रतियोगिता जीतने की संभावना बरकरार रखी।

सेमीफाइनल में उसका मुकाबला पेरिस सेंट-जर्मेन से होगा। दूसरा सेमीफाइनल बार्सिलोना और इंटर मिलान के बीच खेला जाएगा। इस बार 15 बार का यूरोपीय चैंपियन रियाल मैड्रिड किसी तरह की ऐतिहासिक को वापसी नहीं कर पाया। अपने घरेलू मैदान सैंटियागो बर्नब्यू स्टेडियम में उसके खिलाड़ी कोई जादू नहीं दिखा पाए।

यह 2020 के बाद पहला अवसर है जबकि रियाल मैड्रिड सेमीफाइनल में जगह नहीं बना पाया। इस तरह से वह पिछले चार सत्र में तीसरी बार चैंपियंस लीग का चैंपियन बनने से भी चूक गया। आर्सेनल और रियाल मैड्रिड में से कोई भी पहले हाफ में गोल नहीं कर पाया।

बुकायो साका पेनल्टी पर गोल करने से चूक गए लेकिन उन्होंने 65वें मिनट में मिकेल मेरिनो के पास पर गोल करके आर्सेनल को बढ़त दिलाई। विनीसियस जूनियर ने इसके तुरंत बाद रियाल मैड्रिड की तरफ से बराबरी का गोल दागा।

आर्सेनल की तरफ से दूसरा गोल गेब्रियाल मार्टिनेली ने इंजरी टाइम में किया। रियाल मैड्रिड के स्टार स्ट्राइकर किलियन एमबाप्पे को चोटिल होने के कारण 75 मिनट के बाद मैदान छोड़ना पड़ा था।

# पंजाब के स्पिन आक्रमण के सामने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा आरसीबी के बल्लेबाजों को

बेंगलुरु, एजेंसी | रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को अगर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के वर्तमान सत्र में अपने घरेलू मैदान पर पहली जीत दर्ज करनी है तो उसके बल्लेबाजों को शुक्रवार को यहां होने वाले मैच में युजवेंद्र चहल की अगुवाई वाले पंजाब किंग्स के स्पिन आक्रमण का डटकर सामना करना होगा।

आरसीबी के बल्लेबाजों को यहां की धीमी पिच पर गुजरात टाइटंस के आर साई किशोर तथा दिल्ली कैपिटल्स के कुलदीप यादव और विपराज निगम के सामने संघर्ष करना पड़ा था तथा चहल और ग्लेन मैक्सवेल उसकी इस कमजोरी का पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेंगे।

यही नहीं चहल और मैक्सवेल लंबे समय तक आरसीबी की तरफ से खेलते रहे हैं और यहां की परिस्थितियों से अच्छी तरह वाकिफ हैं।

कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ चार विकेट लेकर फॉर्म में लौटने वाले चहल का सामना करना किसी भी बल्लेबाज के लिए आसान नहीं होता जबकि मैक्सवेल को बल्लेबाजी में खराब प्रदर्शन के बावजूद अंतिम एकादश में जगह मिलना तय है।

चहल जादुई गेंदों के बजाय लेंथ के मास्टर हैं। यह लेग स्पिनर ऑफ-स्टंप के बाहर गेंद करके बल्लेबाजों को लंबे शॉट खेलने का लालच देता है जिससे कि वह सीमा रेखा के करीब कैच दे देते हैं।

वह अपनी गति में भी काफी चतुराई से बदलाव करते हैं और यदि बल्लेबाजों को उनके खिलाफ छक्के मारने हैं तो उन्हें अतिरिक्त प्रयास करने की जरूरत होती है।

मैक्सवेल भी एक ऐसा स्पिनर है, जो बड़े टर्न या डिपर्स के बजाय नियंत्रण पर भरोसा करता है।

आरसीबी के पास क्रुणाल पंड्या और सुयश शर्मा के रूप में अच्छे स्पिनर हैं और टीम उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगी।

पंजाब टीम के पास अर्शदीप सिंह और मार्को यानसन के रूप में अच्छे तेज गेंदबाज हैं, हालांकि वे आरसीबी के जोश हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार जितने अनुभवी नहीं हैं।

अगर कप्तानों की बात करें तो रजत पाटीदार और श्रेयस अय्यर में बहुत कम समानता है। इस टूर्नामेंट में एक बल्लेबाज के रूप में शानदार रिकार्ड रखने वाले अय्यर ने आईपीएल विजेता कप्तान के रूप में अपनी साख साबित की है। दूसरी तरफ पाटीदार आईपीएल में पहली बार कप्तान बने हैं।

लेकिन असमानता यहीं पर खत्म हो जाती है क्योंकि यह दोनों खिलाड़ी शांत रहकर बड़ी कुशलता से अपनी टीमों का नेतृत्व कर रहे हैं। इन दोनों खिलाड़ियों को स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ अच्छा बल्लेबाज माना जाता है और इसलिए बल्लेबाजी में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

कोलकाता के खिलाफ कम स्कोर वाले मैच में जीत दर्ज करने से पंजाब का हौसला बढ़ा होगा लेकिन उसे आरसीबी से सतर्क रहना होगा जिसकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी में काफी गहराई है और उस पर पार पाना किसी भी टीम के लिए आसान काम नहीं होता है।

टीम इस प्रकार है : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरुः रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, यश दयाल, जोश हेजलवुड, फिल साल्ट, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), लियाम लिविंगस्टोन, रसिख सलाम, सुयश शर्मा, क्रुणाल पंड्या, भुवनेश्वर कुमार, स्वप्निल सिंह, टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, नुवान तुषारा, मनोज भंडागे, जैकब बेथेल, देवदत्त पडिक्कल, स्वास्तिक छिकारा, लुंगी एनगिडी। अभिनंदन सिंह, मोहित राठी।

पंजाब किंग्सः श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), नेहल वढेरा, शशांक सिंह, ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टोइनिस, मार्को यानसन, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, यश ठाकुर, सूर्यांश शेडगे, प्रवीण दुबे, विजयकुमार विशक, हरप्रीत बराड़, अजमतुल्लाह उमरजई, जोश इंग्लिस, जेवियर बार्टलेट, विष्णु विनोद, आरोन हार्डी, कुलदीप सेन। हरनूर सिंह, मुशीर खान, पला अविनाश। मैच शाम 7.30 बजे शुरू होगा।

# कोचिंग टीम से हटाए गए अभिषेक नायर और दिलीप, BGT के खराब प्रदर्शन के बाद बीसीसीआई की कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी | जून में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इन तीनों के ब्रिटेन जाने की संभावना नहीं है। नायर को आठ महीने पहले ही बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया गया था, जबकि दिलीप 2021 से भारतीय टीम के साथ हैं भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम के बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में खराब प्रदर्शन के बाद टीम इंडिया के बल्लेबाजी और फील्डिंग कोच अभिषेक नायर और टी दिलीप को बर्खास्त करने का फैसला किया है।

## व्यापार

# सेबी जांच के बीच जेनसोल के इंडिपेंडेंट डायरेक्टर अरुण मेनन का इस्तीफा, जानें क्या है स्कैम और कैसे हुआ पर्दाफाश

नई दिल्ली, एजेंसी |सेबी ने अपनी जांच में ये पाया की जग्गी भाइये ने अपने इन पैसों का इस्तेमाल अपने निजी खर्चों के लिए भी किया. साल 2022 में IRDEA से लोन की एक किश्त मिलने के बाद जेनसोल ने पहले अधिकतर पैसों को गो ऑटो को ट्रांसफर किया.

शेयर बाजार की दुनिया में एक और बड़ा कॉर्पोरेट फर्जीवाड़ा सामने आया है. जेनसोल इंजीनियरिंग और इसके मालिकों पर कंपनी के पैसों में हेरफेर करने का बड़ा आरोप लगा है. मार्केट रेगुलेटर सेबी ने अपनी जांच में पाया कि कंपनी के मालिकों ने लोन के पैसों का इस्तेमाल अपने लिए फ्लैट खरीदने, महंगे सामान और यहां तक की अपनी पत्नी और मां के खातों में पैसे ट्रांसफर करने में किए हैं.

इस खबर के बाद से जेनसोल इंजीनियरिंग के शेयरों में भगदड़ मची हुई है. इधर, कोष के दुरुपयोग और संचालन में चूक के कारण बाजार नियामक सेबी की जांच के दायरे में आयी संकटग्रस्त कंपनी जेनसोल इंजीनियरिंग से उसके स्वतंत्र निदेशक अरुण मेनन ने तत्काल प्रभाव से इस्तीफा देने की जानकारी दी है. कंपनी के प्रवर्तकों में से एक अनमोल सिंह जग्गी को भेजे इस्तीफे में मेनन ने लिखा कि अन्य व्यवसायों के पूंजीगत व्यय को फाइनेंस करने के लिए जीईएल के बहीखाते तथा जीईएल द्वारा इतनी ऊंची ऋण लागत पर स्थिरता बनाए रखने को लेकर चिंता बढ़ रही है.

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के धन की हेराफेरी और कामकाज संबंधी खामियों के कारण जेनसोल इंजीनियरिंग और उसके प्रवर्तकों अनमोल सिंह जग्गी तथा पुनीत सिंह जग्गी को अगले आदेश तक प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित करने की पृष्ठभूमि में मेनन ने इस्तीफा दिया है. नियामक ने अनमोल और पुनीत सिंह जग्गी को अगले आदेश तक जेनसोल में निदेशक या प्रमुख प्रबंधकीय पद संभालने से भी रोक दिया था.

इसके अलावा, बाजार नियामक ने जेनसोल इंजीनियरिंग लिमिटेड (जीईएल) को उसके द्वारा घोषित शेयर विभाजन को रोकने का निर्देश भी दिया.कंपनी का शेयर अपने शिखर से करीब 90 फीसदी नीचे गिर चुका है. अभी भी करीब एक लाख छोटे निवेशक इस शेयर में फंसे हुए हैं. ये आखिर क्या पूरा मामला है, आइये जानते हैं. सेबी ने जेनसोल इंजीनियरिंग के प्रमोटर्स अनमोल सिंह जग्गी और पुनीत सिंह जग्गी को कंपनी के डायरेक्टर पद से हटा दिया है. इसके साथ ही, दोनों भाइयों को शेयर बाजार से भी बैन कर दिया है. सेबी ने कहा कि ये दोनों भाई जेनसोल इंजीनियरिंग के मैनेजमेंट टीम में भी कोई अहम पद नहीं ले सकते हैं.

क्या है जेनसोल घोटाला? - सेबी की अंतरिम जांच रिपोर्ट के अनुसार, जेनसोल ने साल 2021 से 2024 के बीच IREDA और PFC से 978 करोड़ रुपये के टर्म लोन लिए थे. इनमें से 664 करोड़ रुपये का इस्तेमाल 6400 इलैक्ट्रिक गाड़ियों को खरीदने में किया जाना था, जिसे कंपनी बाद में ब्लू स्मार्ट को लीज पर देती.

इसके अलावा, जेनसोल 20 प्रतिशत का अतिरिक्त इक्विटी मार्जिन भी देने को तैयार थी, जिससे इलैक्ट्रिक गाड़ियों की खरीद पर होनेवाला कुल खर्च बढ़कर 830 करोड़ रुपये हो जाता. लेकिन, कंपनी ने फरवरी में शेयर बाजार को भेजी एक जानकारी में बताया कि उसने अब तक सिर्फ 4704 इलैक्ट्रिक गाड़ियां ही खरीदी हैं. इस पर भी उसका खर्च 568 करोड़ रुपये आया है.

262 करोड़ का गड़बड़झाला - यानी अगर 830 करोड़ रुपये में से इसे घटाएं तो करीब 262 करोड़ का हिसाब अभी नहीं मिला है. जबकि, कंपनी को लोन का पैसा मिले एक साल से भी अधिक समय मिल चुका है. सेबी को यही बात खटक रही है. जेनसोल को इलैक्ट्रिक गाड़ियां सप्लाई करने वाली कंपनी गो ऑटो ने भी पुष्टि की है कि जेनसोल ने 568 करोड़ रुपये के कुल खर्च में 4704 ईवी खरीदें हैं.

रेगुलेटर सेबी की जांच में ये सामने आया है कि जेनसोल ने इलैक्ट्रिक गाड़ियों को खरीदने के लिए गो ऑटो को जो पैसे ट्रांसफर किए थे, उसका एक बड़ा हिस्सा या तो कंपनी में लौट आया या फिर उन संस्थाओं में भेज दिया गया, जो कि प्रत्यक्ष या परोक्ष जेनसोल के प्रोमटर्स अनमोल सिंह जग्गी और पुनीत सिंह जग्गी से जुड़े थे.

ईवी का पैसा रियल एस्टेट में डायवर्ट - सेबी ने अपनी जांच में ये पाया की जग्गी भाइये ने अपने इन पैसों का इस्तेमाल अपने निजी खर्चों के लिए भी किया.

# गोल्ड रेट 1 लाख प्रति 10 ग्राम के करीब पहुँचा, इस भाव पर सोना खरीदना सही है या बेचना? क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

नई दिल्ली, एजेंसी | विशेषज्ञों का कहना है कि हर दिन बाजार खुलते ही चीन ताबड़तोड़ सोना खरीद रहा है और डॉलर बेच रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि चीन अगर इतने ज्यादा भाव में सोना खरीद रहा है तो कभी बेचेगा भी इसलिए निवेशक प्रॉफिट बुक करते रहें जिससे करेक्शन से पहले तेजी का फायदा मिल जाए।

अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते व्यापार युद्ध के कारण वैश्विक स्तर पर सुरक्षित निवेश के लिए सोने की मांग तेजी से बढ़ रही है। इसके चलते 10 ग्राम सोने का भाव एक लाख रुपए के करीब पहुँच चुका है। भारत में शादी ब्याह का सीजन शुरू हो चुका है ऐसे में लोगों को आभूषणों की खरीदारी करनी होती है लेकिन सोने के बढ़ते भाव को देखकर सबका बजट बिगड़ रहा है। हालांकि उन लोगों की चांदी हो रही है जिन्होंने सोने में निवेश किया हुआ था क्योंकि सोना सबसे ज्यादा रिटर्न दे रहा है। दूसरी ओर लोगों के मन में सवाल उपज रहा है कि इस भाव पर सोना खरीदा जाये या नहीं? लोगों के मन में यह भी सवाल है कि क्या इस भाव पर सोने को बेच कर प्रॉफिट बुक कर लिया जाये या और भाव बढ़ने का इंतजार किया जाये? इस बारे में विशेषज्ञों का कहना है कि सोने के भाव बढ़ते रहना निश्चित है लेकिन धीरे धीरे प्रॉफिट बुक करना चाहिए।

विशेषज्ञों का कहना है कि हर दिन बाजार खुलते ही चीन ताबड़तोड़ सोना खरीद रहा है और डॉलर बेच रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि चीन अगर इतने ज्यादा भाव में खरीद रहा है तो कभी बेचेगा भी इसलिए निवेशक प्रॉफिट बुक करते रहें जिससे करेक्शन से पहले तेजी का फायदा मिल जाए। विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि ट्रंप किस करवट बैठेंगे कोई नहीं जानता और इसलिए सोने की कीमते कहां रुकेंगी कोई नहीं कह सकता। इसलिए इस तेजी में धीरे-धीरे खरीदारी करें। बाजार विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि अक्षय तृतीया आने वाली है। ऐसे में शुभ लाभ के लिए पिछले एक साल में 40 पर्सेंट रिटर्न दे चुके सोने को खरीदना अभी भी समझदारी है। जहां तक रिटर्न पाने की बात है तो इस समय सस्ती हुई चांदी एक अच्छा विकल्प है।

इसके अलावा, एलकेपी सिक्योरिटीज के उपाध्यक्ष शोध विश्लेषक (जिंस और मुद्रा) जतीन त्रिवेदी ने कहा, ''सोने में एक बार फिर जोरदार तेजी आई...एमसीएक्स सोने ने 95,000 रुपये के ऐतिहासिक स्तर को छुआ, जबकि कॉमेक्स सोना 3,300 डॉलर को पार कर गया, जो मजबूत सुरक्षित-निवेश की मांग को दर्शाता है।'' जतीन त्रिवेदी ने कहा कि यह तेजी भू-राजनीतिक अनिश्चितता और अमेरिका और चीन के बीच शुल्क वार्ता में किसी भी रचनात्मक प्रगति की अनुपस्थिति से प्रेरित थी। जब तक तनाव कम होने का संकेत देने वाला कोई ठोस कदम सामने नहीं आता, तब तक सोने के ऊंचे स्तर पर बने रहने की संभावना है।

वहीं कोटक सिक्योरिटीज की एसोसिएट उपाध्यक्ष जिंस शोध कायनात चैनवाला ने कहा, ''अमेरिकी सरकार द्वारा चीन को निर्यात नियमों को सख्त करने के बाद व्यापार युद्ध की बढ़ती चिंताओं के कारण सोना रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंच गया।'' अबन्स फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य कार्यपालक अधिकारी चिंतन मेहता के अनुसार, सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गईं, क्योंकि अमेरिकी डॉलर इंडेक्स 100 अंक से नीचे गिर गया।

# शेयर बाजार का जबरदस्त कमबैक, सेंसेक्स 1500 अंक उछला, अदाणी शेयरों का जोश हाई

मुंबई, एजेंसी | भारतीय बाजार में यह रिकवरी ग्लोबल संकेतों में सुधार और कुछ सेक्टर्स में बढ़ी हुई खरीदारी की वजह से देखने को मिली है. निवेशकों को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में मार्केट में यह तेजी बरकरार रह सकती है.

भारतीय शेयर बाजार में दोपहर के समय जबरदस्त तेजी देखने को मिली है. आज एक बार फिर मार्केट में बुल्स की वापसी हुई है और निवेशकों में जोश नजर आया. 17 अप्रैल को दोपहर 2:08 बजे तक बीएसई सेंसेक्स 1,521.08 अंकों (1.97%) की जोरदार छलांग के साथ 78,565.37 के स्तर पर पहुंच गया. वहीं, निफ्टी 50 इंडेक्स में भी मजबूती रही और यह 420.25 अंक (1.79%) चढ़कर 23,857.45 के स्तर पर ट्रेड कर रहा था.

अदाणी ग्रुप के शेयरों में भी जोरदार तेजी - शेयर बाजार में आई तेज रिकवरी का असर अदाणी ग्रुप के शेयरों पर भी देखा जा रहा है. दोपहर के कारोबार में फ्लैगशिप कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज सहित ग्रुप के सभी शेयरों में तेजी देखी गई. जिसमें अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस 3 फीसदी की बढ़त के साथ सबसे ज्यादा फायदे में रहा. वहीं, अदाणी पोर्ट्स में भी 2 फीसदी से ज्यादा उछाल आया.

शेयर बाजार की कमजोर रही शुरुआत - आज यानी गुरुवार सुबह घरेलू शेयर बाजार की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई. सेंसेक्स और निफ्टी, दोनों इंडेक्स लाल निशान में खुले थे.लगातार तीन दिनों की बढ़त के बाद आज सुबह करीब 9.27 बजे सेंसेक्स 338.13 अंक या 0.44 प्रतिशत की गिरावट के साथ 76,706.16 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 120.75 अंक या 0.52 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,316.45 पर कारोबार कर रहा था. ग्लोबल मार्केट से मिले कमजोर संकेतों और आईटी शेयरों पर बने दबाव ने निवेशकों की सेंटीमेंट को कमजोर किया.

आईटी और ऑटो सेक्टर में बिकवाली - शुरुआती कारोबार में आईटी और ऑटो सेक्टर में बिकवाली देखी गई. निफ्टी बैंक 62.25 अंक या 0.12 प्रतिशत की बढ़त के साथ 53,180.00 पर कारोबार कर रहा था. निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 44.90 अंक या 0.09 प्रतिशत की गिरावट के बाद 52,300.65 पर कारोबार कर रहा था.

# 2026 में इस मामले में चीन को पीछे छोड़ देगा भारत, एसीआई ने रिपोर्ट में क्या-क्या बताया?

**एयरपोर्ट्स इंटरनेशनल काउंसिल की रिपोर्ट में कहा गया है कि साल 2026 तक भारत हवाई यात्रियों की संख्या में चीन को पीछे छोड़ सकता है.**

नई दिल्ली, एजेंसी | हवाई अड्डों के समूह एयरपोर्ट्स इंटरनेशनल काउंसिल (एसीआई) ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि भारत 2026 में हवाई यात्रियों की संख्या में बढ़ने के मामले में चीन को पीछे छोड़ सकता है. दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते नागर विमानन बाजारों में से एक भारत की हवाई यात्री वृद्धि दर इस साल 10.1 प्रतिशत है, जो चीन के लिए 12 प्रतिशत से कम है.

2026 में भारत चीन से आगे होगा - पड़ोसी राष्ट्र में भारत की तुलना में बहुत बड़ा विमानन बाजार है. एसीआई एशिया-प्रशांत और पश्चिम एशिया के महानिदेशक स्टेफैनो बैरोंकी ने कहा कि भारत एक ऐसा बाजार है जो विकसित हो रहा है और अपने बुनियादी ढांचे को बढ़ाने की प्रक्रिया में है. एसीआई एशिया प्रशांत और पश्चिम एशिया, इस क्षेत्र में 600 से अधिक हवाई अड्डों का प्रतिनिधित्व करता है. ACI के अनुसार, 2026 में भारत की हवाई यात्री वृद्धि दर 10.5 प्रतिशत और 2027 में 10.3 प्रतिशत होगी. वहीं, चीन की वृद्धि दर 2026 में 8.9 प्रतिशत और 2027 में 7.2 प्रतिशत पर आ जाएगी. इसका मतलब है कि भारत चीन को इस क्षेत्र में पीछे छोड़ देगा.

भारत की ग्रोथ लगातार ऊपर जाएगी - साल 2023-27 के लिए भारत में हवाई यात्रियों की संख्या के लिए सालाना वृद्धि दर (सीएजीआर) का अनुमान 9.5 प्रतिशत है, जो एसीआई के अनुसार चीन के लिए 8.8 प्रतिशत से अधिक है. भारत भी 2023-2053 की अवधि के लिए विश्वस्तर पर सबसे तेजी से बढ़ते विमानन बाजार होगा. वर्तमान में भारत की यात्री वृद्धि दर 10.1 प्रतिशत है, जबकि चीन की दर 12 प्रतिशत के करीब है. लेकिन ACI का अनुमान है कि आने वाले साल में भारत की ग्रोथ लगातार ऊपर जाएगी.

# तेरे इश्क में से पहले धनुष का बड़ा धमाका, जारी किया Kuberaa का पोस्टर

साउथ सुपरस्टार धनुष अब हिंदी फिल्मों में भी अपना जलवा बिखेरने को तैयार हैं. जल्द ही वह कई फिल्मों के साथ पर्दे पर धमाकेदार वापसी करने वाले हैं. हाल ही में उन्होंने अपनी रोमांटिक फिल्म तेरे इश्क में का ऐलान किया था. वहीं अब उन्होंने अपने फैंस को एक और सरप्राइज दे दिया है. एक्टर जल्द ही एक एक्शन पैक्ड ड्रामा लेकर आ रहे हैं, जिसके धमाकेदार पोस्टर के साथ रिलीज डेट का भी खुलासा हो चुका है.साउथ सुपरस्टार धनुष अब कुबेरा के साथ थिएटर्स में धमाकेदार एंट्री की तैयारी में हैं. मेकर्स ने इस फिल्म का धमाकेदार फर्स्ट पोस्टर जारी किया है, साथ ही इसकी रिलीज डेट की भी अनाउंसमेंट कर दी है. यह एक पैन इंडिया फिल्म है, जो शुरुआत से ही सुर्खियों में बनी हुई है. इसमें धनुष के अलावा नागार्जुन और रश्मिका मंदाना भी नजर आने वाले हैं. फिल्म मेकर्स ने अपने एक्स (पहले ट्विटर) अकाउंट पर धनुष की अपकमिंग फिल्म कुबेरा का एक धमाकेदार पोस्टर साझा किया है. इस पोस्टर में धनुष जोरदार डांस मूव्स दिखाते नजर आ रहे हैं, जबकि उनके आसपास भीड़ उत्साह से चीयर कर रही है. पोस्टर के साथ कैप्शन भी लिखा है, टीम शेखर कम्मुला की कुबेरा की तरफ से जन्मदिन की ढेरों बधाइयां! धनुष की कुबेरा 20 जून को थिएटर्स में धमाल मचाने को तैयार है. नए पोस्टर के रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर फैंस का उत्साह चरम पर पहुंच गया है. लंबे समय से इस फिल्म की चर्चाओं के बाद अब रिलीज डेट सामने आने से दर्शकों का इंतजार और बढ़ गया है. इस फिल्म की कहानी महत्वाकांक्षा, सत्ता और समाज के काले पहलुओं के इर्द-गिर्द घूमती है. मूवी में धनुष धारावी की मलिन बस्तियों में रहने वाले एक बेघर व्यक्ति की भूमिका निभा रहे हैं, जो वक्त के साथ एक ताकतवर माफिया लीडर बनता है

# 57 की उम्र में एक बार फिर पिता बनेंगे अरबाज खान

*15 अप्रैल को शूरा और अरबाज को क्लिनिक से बाहर निकलते देखा गया था. इस दौरान अरबाज को व्हाइट शर्ट और जींस में देखा गया. उन्होंने शूरा का हाथ पकड़ा हुआ था. वहीं शूरा ने ओवरसाइज शर्ट पहनी हुई थी.*

एक्टर अरबाज खान अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहते हैं. उन्होंने शूरा खान से दूसरी शादी रचाई है. शूरा और अरबाज की शादी प्राइवेट सेरेमनी में हुई थी. दोनों के करीबी दोस्त और घरवाले ही शामिल हुए थे. हाल ही में अरबाज और शूरा को वुमेन्स क्लिनिक के बाहर स्पॉट किया गया. इसके बाद से दोनों के पेरेंट्स बनने की खबरें चर्चा में आ गईं.15 अप्रैल को शूरा और अरबाज को क्लिनिक से बाहर निकलते देखा गया था. इस दौरान अरबाज को व्हाइट शर्ट और जींस में देखा गया. उन्होंने शूरा का हाथ पकड़ा हुआ था. वहीं शूरा ने ओवरसाइज शर्ट पहनी हुई थी. उन्होंने ब्लैक जेगिंग पेयर की थी. उन्होंने सटल मेकअप लिया हुआ था. शूरा अरबाज के पीछे छुपती नजर आईं और थोड़ी थकी भी दिखीं. वहीं अरबाज शूरा की केयर करते हुए दिखे.

वहीं बॉलीवुड शादीज के मुताबिक, शूरा मैटरनिटी क्लिनिक नहीं बल्कि वुमेन्स क्लिनिक गई थीं. उस हॉस्पिटल की जब जानकारी निकाली गई तो पता चला की हॉस्पिटल में यूट्रस से फाइब्रॉइड्स निकाला जाता है. हालांकि, शूर और अरबाज की हॉस्पिटल विजिट की जानकारी अभी सामने नहीं आई है.

## ईद सेलिब्रेशन में हुए थे स्पॉट

बता दें कि हाल ही में अरबाज और शूरा को फैमिली ईद सेलिब्रेशन में देखा गया था. इस दौरान दोनों पोज देने के लिए नहीं रुके थे. इसके बाद भी शूरा की प्रेग्नेंसी की खबरें आई थीं.

अरबाज खान की शूरा के साथ ये दूसरी शादी है. इससे पहले उनकी शादी मलाइका अरोड़ा के साथ हुई थी. इस शादी से उन्हें एक बेटा भी है. उन्होंने12 दिसंबर 1998 को शादी की थी. 2017 में दोनों ने 19 साल की शादी के बाद तलाक ले लिया. वहीं 24 दिसंबर, 2023 को अरबाज ने शूरा से शादी की।

# प्रियंका-अंकित ब्रेकअप हुआ कंफर्म

प्रियंका चाहर चौधरी और अंकित गुप्ता को टीवी शो 'उडारियां' से जबरदस्त फेम मिला था, जहां उनकी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री ने दर्शकों का दिल जीत लिया था.रियल लाइफ में भी दोनों की नजदीकियों को लेकर काफी चर्चा रही। 'बिग बॉस' में साथ नजर आने के बाद फैंस ने उन्हें कई मौकों पर एक साथ देखा, जिससे उनकी जोड़ी को 'परफेक्ट कपल' का टैग मिलने लगा। देना और हाथ थामे नजर आना, इन सबने इस रिश्ते को और भी मजबूत दिखाया।

**अभी तक दोनों की ओर से इस रिश्ते को लेकर कोई औपचारिक घोषणा नहीं हुई है**

हालांकि, बीते कुछ हफ्तों से दोनों के ब्रेकअप की खबरें सोशल मीडिया पर तेज़ी से फैल रही हैं। अब प्रियंका की हालिया टिप्पणी ने इन अटकलों को और हवा दे दी है, जिससे ऐसा लग रहा है कि उनका रिश्ता वाकई खत्म हो चुका है। हालाँकि प्रियंका चाहर चौधरी और अंकित गुप्ता ने अभी तक अपने ब्रेकअप की खबरों पर कोई सीधी प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन प्रियंका की हालिया क्रिप्टिक स्टेटमेंट ने फैंस को सोचने पर मजबूर कर दिया है। आईएएनएस को दिए एक इंटरव्यू में प्रियंका ने कहा, मेरा मानना है कि इवोल्व होना हमेशा अच्छा होता है – बदलाव हमेशा अच्छे होते हैं। इवोल्व होने के लिए आगे बढ़ना पड़ता है इसलिए, निश्चित रूप से, विकसित होना एक अच्छी बात है, चाहे वह रिश्ते में हो या फैशन में। प्रियंका का ये बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस इसे उनके और अंकित के रिश्ते में आई दूरी की ओर इशारा मान रहे हैं। हालांकि अभी तक दोनों की ओर से इस रिश्ते को लेकर कोई औपचारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन प्रियंका का यह बयान कहीं न कहीं दिलों में उठ रहे सवालों को और गहरा कर रहा है.प्रियंका और अंकित गुप्ता के अलग होने की अफ़वाहों ने उस वक्त ज़ोर पकड़ा जब सोशल मीडिया पर दोनों ने एक-दूसरे को अनफ़ॉलो कर दिया। इसके बाद फैंस को सबसे बड़ा झटका तब लगा जब यह खबर सामने आई कि अंकित गुप्ता ने 'तेरे हो जाएं हम' प्रोजेक्ट से पीछे हटने का फैसला लिया, जिसमें वो प्रियंका चाहर चौधरी के साथ स्क्रीन शेयर करने वाले थे.इस खबर ने दोनों के ब्रेकअप की अटकलों को और हवा दे दी। वहीं, बॉलीवुड बबल से बात करते हुए अंकित गुप्ता ने अपने इस फैसले का कारण बताते हुए कहा, मैंने रवि-सरगुन के साथ प्रोजेक्ट से हाथ खींच लिया।

# दानियां की आलोचना पर इब्राहिम अली ने तोड़ी चुप्पी

## सोशल मीडिया को बताया नफरत भरी दुनिया

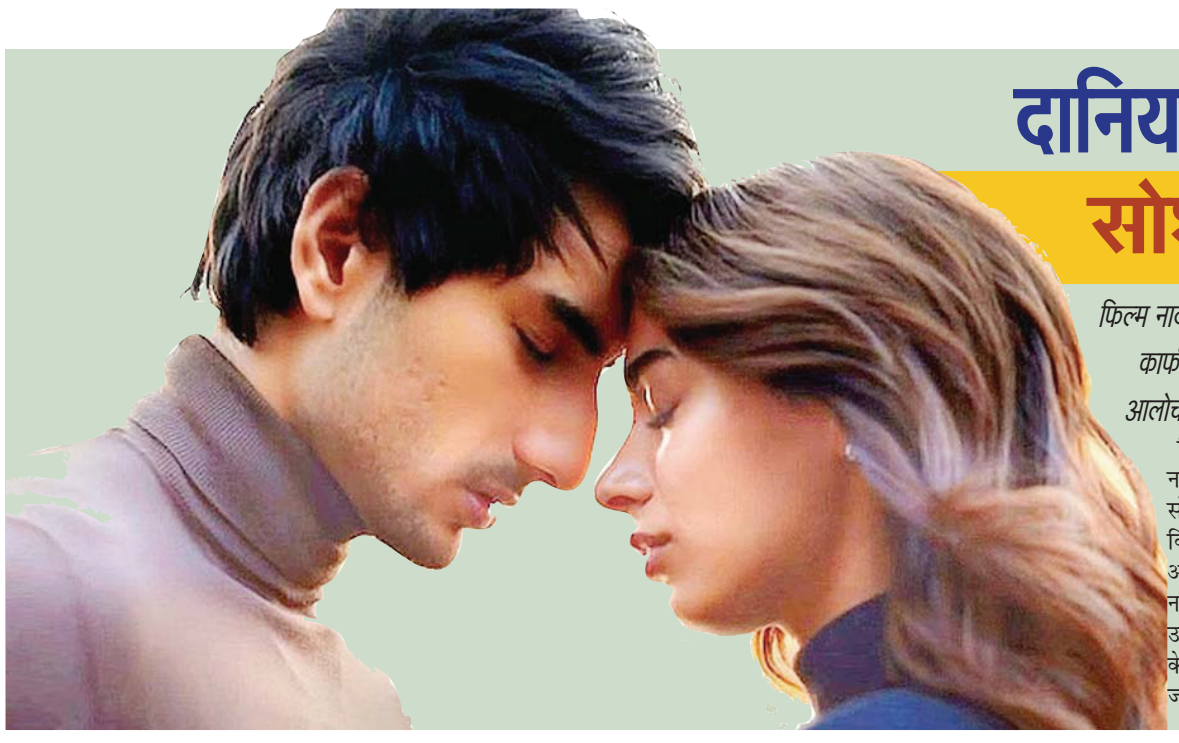

*फिल्म नादानियां से सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान ने बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म में खुशी कपूर भी थीं। भले ही फिल्म ने काफी चर्चा बटोरी, लेकिन यह कोई खास प्रभाव नहीं छोड़ पाई। और सोशल मीडिया पर इसे मिली-जुली प्रतिक्रियाएं मिलीं। एक नए इंटरव्यू में, इब्राहिम ने आलोचना के बारे में खुलकर बात की और कहा कि सोशल मीडिया एक नफरत भरी दुनिया है। यह बहुत कुछ तोड़-मरोड़ कर पेश करने की कोशिश करती है।*

फिल्मफेयर के साथ हाल ही में एक इंटरव्यू में, इब्राहिम अली खान ने नादानियां पर अपनी बात रखी है। अब्राहिम ने कहा कि नादानियां कोई भव्य फिल्म नहीं थी। यह एक प्यारी, मजेदार रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म थी जिसका आनंद आपको शुक्रवार की रात बिस्तर पर आराम करते हुए लेना चाहिए। उन्होंने कहा सोशल मीडिया अभी एक नफरत भरी दुनिया है। लोगों ने इसे बहुत यादा तोड़-मरोड़ कर पेश करने की कोशिश की है। एक अभिनेता के तौर पर मैंने जो किया है, मुझे उससे कहीं यादा करना है। मैं जो था, उससे खुश हूं। मैंने एक अछी फिल्म बनाई। मुझे आलोचनाएं मिली, लेकिन मुझे काम करने में मजा आया। मेरे हिसाब से यह अछी फिल्म थी। खुद को पांच में से 3.5 स्टार देते हुए इब्राहिम ने कहा बहुत यादा मत उड़ो, लेकिन खुद को कम भी मत समझो। नादानियां को मिली-जुली प्रतिक्रियाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए, इब्राहिम ने कहा यादातर प्रतिक्रियाएं खराब हैं क्योंकि सोशल मीडिया ऐसे ही काम करता है। उन्होंने कहा, मैं फिल्म उद्योग से मिली प्रतिक्रिया से खुश हूं।टाइम्स नाउ से हाल ही में हुई बातचीत के दौरान शर्मिला टैगोर ने अपने पोते की फिल्म नादानियां के बारे में बात की। अभिनेत्री ने कहा कि भले ही फिल्म अछी नहीं थी, लेकिन इब्राहिम हैंडसम लग रहे थे। टैगोर ने कहा, ये बातें सबके सामने नहीं कही जानी चाहिए, लेकिन ईमानदारी से कहूं तो फिल्म अछी नहीं थी। आखिरकार, फिल्म अछी होनी ही चाहिए।

### एक दो नहीं बल्कि दर्जन भर बड़े बुकी सक्रिय

# माधवनगर में बिछा ऑनलाइन क्रिकेट सटोरियों का जाल

## कर्मचारी रखकर संचालित कर रहे कारोबार, माधव नगर से पूरे देश में फैला नेटवर्क, इनके नाम चर्चा में

**कटनी। जिले का माधव नगर क्षेत्र एक ऐसा क्षेत्र है जिसने व्यापार के क्षेत्र में पूरे देश में अपनी अलग पहचान बैक बनाई है। यहां से निर्मित होने वाले दाल, चावल सहित अन्य उत्पादों की पूरे देश में सप्लाई होती है। जहां माधव नगर के व्यापारियों ने व्यापारिक क्षेत्र में पूरे देश के अंदर अपना लोहा मनवाया, वही यहां से संचालित होने वाला ऑनलाइन क्रिकेट सट्टे का कारोबार भी देश ही नहीं बल्कि विदेशों तक फैला हुआ है।**

कटनी जिले का माधव नगर क्षेत्र एक ऐसा क्षेत्र है जहां पर एक दो नहीं बल्कि एक दर्जन से अधिक ऑनलाइन सट्टे के बड़े कारोबारी बेखौफ होकर अपने कारोबार को संचालित कर रहे हैं। इन बड़े कारोबारियों के द्वारा 15 से 20 हजार की मासिक सैलरी पर जरूरतमंद कर्मचारियों को नियुक्त कर सट्टे के पूरे कारोबार को संचालित किया जाता है। यदि कभी धोखे से यह कर्मचारी पुलिस के हाथ लग भी गए तो जांच की आंच इन तक नहीं पहुंचती।

**उनके नाम सुर्खियों में**- कटनी जिले के माधवनगर क्षेत्र में जिन बड़े बुकियों का दबदबा ऑनलाइन क्रिकेट सट्टे में सबसे ऊपर नाम विनय वीरवानी का आता है। हालांकि इस समय विनय वीरवानी एक मामले में फरार है और शायद वह देश के बाहर बैठकर अपने व्यापार को संचालित कर रहा है। विनय के कुछ लोकल मोहरे जिले में उसके नेटवर्क को संभाल रहे हैं। उसके बाद बात करें तो जय जिज्ञासी यानी भाई साहब, रवि बानवानी भी ऑनलाइन क्रिकेट सट्टे के बड़े कारोबारी बताए जाते हैं। इसके अलावा कुछ और नाम भी है जो कि फिलहाल सामने नहीं आए हैं।

**सबको खबर पर बेखबर**- क्रिकेट सट्टे के कारोबार में लिप्त उक्त कारोबारियों के विषय में ऐसा नहीं है कि जिले के जिम्मेदार लोगों को पता नहीं है। इनमें से तो कई कारोबारियों को राजनीतिक संरक्षण भी मिला हुआ है। ऑनलाइन क्रिकेट सट्टे से कमाई गई बेशुमार काली कमाई के दम पर यह सभी बड़े कारोबारी ऐशोआराम की जिंदगी जीते हुए अपने कारोबार को संचालित कर रहे हैं। यदाकदा जब उनके कर्मचारी पकड़े जाते हैं और बात इन तक पहुंचनी होती है तो फिर ये शामदाम की नीति अपनाकर साफ बच निकलते है। इनमें से कुछ के ऊपर तो अपराधिक मामले भी दर्ज हैं।

**मोहरों तक सिमटी कार्यवाही**- ऐसा नहीं है कि ऑनलाइन क्रिकेट सट्टे के कारोबार को लेकर पुलिस के द्वारा कभी कार्यवाही नहीं होती। कार्यवाही तो होती है, लेकिन वह कार्यवाही अधिकतर केवल छुटपुट मोहरों तक सिमट कर रह जाती है। कभी कभी इक्का दुक्का आरोपियों को थोड़ी सी नगदी के साथ पकड़ने के बाद कभी कार्यवाही आगे बढ़ ही नहीं पाती। अब आप समझ गए होंगे इन कारोबारियों का किस कदर दबदबा ह। अपने धनबल और रसूल के दम पर यह हमेशा अपने आप को बचाने में कामयाब रहते हैं। इन बड़े कारोबारियों का नाम चर्चा में आने और ऑनलाइन क्रिकेट सट्टे का नेटवर्क पूरे देश तक फैल जाने के बाद इनके काले कारनामों की पूरी लिस्ट तैयार करने और उनके नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए इन पर विशेष निगाह रखी जा रही है।

## नलजल योजना के लिए उपसरपंच की भूख हड़ताल

**बालाघाट। बालाघाट में चार साल पहले बनी पानी की टंकी से पानी सप्लाई न होने पर बीते मंगलवार शाम को उपसरपंच पवन कश्यप भूख हड़ताल पर बैठ गए। बुधवार दोपहर को पवन की हालत खराब होने पर बीएमओ डॉ. अक्षय उपराडे अपनी टीम के साथ पहुंचे। जांच में उपसरपंच का बीपी कम पाया गया। मामला लांजी जनपद की ग्राम पंचायत बिसोनी का है।**

**टंकी बनी लेकिन पानी की सप्लाई नहीं शुरू हुई**- उपसरपंच ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हर घर जल योजना अधिकारियों और ठेकेदारों की लापरवाही का शिकार हो गई है। पंचायत के दखनीटोला आवास में टंकी बनी है, लेकिन घरों तक पानी नहीं पहुंचा है। उन्होंने कहा कि जब तक ग्रामीणों को पानी नहीं मिलेगा, आंदोलन जारी रहेगा।

**ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट करने की तैयारी**- एसडीओ रविंद्र कुमार हट्टेवार ने बताया कि ठेकेदार की लापरवाही से योजना का पानी लोगों के घर तक नहीं पहुंचा है। उन्होंने कहा ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट किया जाएगा और उसका टेंडर रद्द कर दिया जाएगा। साथ ही सरकारी राशि की वसूली भी की जाएगी। एसडीओ ने आश्वासन दिया है कि दो दिन के भीतर घरों में पानी की सप्लाई शुरू कर दी जाएगी। इसके लिए काम भी शुरू कर दिया गया है।

### मुख्यमंत्री ने मंडला के टिकरवारा से हितग्राही लाडली बहनों के खातों में 22वीं किश्त का किया वितरण

## जिले की 3 लाख से अधिक बहनों के खातों में 42 करोड़ 34 लाख

**बालाघाट।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को मंडला जिले के ग्राम टिकरवारा में आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से लाडली बहना योजना अन्तर्गत हितग्राही महिलाओं को योजना की अप्रैल माह की राशि उनके बैंक खातों में सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की है। उनके द्वारा प्रदेश के हितग्राहियों के साथ ही जिले में मप्र शासन की मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की 3 लाख 50 हजार 610 हितग्राहियों के बैंक खातों में राशि अंतरित की गई है। लाड़ली बहना योजना में माह अप्रैल में जाने वाली योजना प्रारम्भ होने के बाद की अब तक कि यह 22 वीं क़िस्त है। महिला एवं बाल विकास कार्यक्रम अधिकारी दीपमाला सोलंकी ने जानकारी देते हुए बताया कि लाड़ली बहना योजना में जिले की 350610 बहनों के बैंक खातों में 42 करोड़ 34 लाख 67 हजार 700 रुपये की राशि अंतरित की गई है। कार्यक्रम का सजीव प्रसारण कलेक्टर कार्यालय के सभागृह कक्ष क्रमांक 205 में किया गया। इस दौरान नपा अध्यक्ष श्रीमती भारती ठाकुर, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती दीपमाला मंगोदिया व हितग्राही बहने उपस्थित रहीं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा लाडली बहना योजना की अप्रैल माह की किश्त बहनों के खातों में अन्तरित की गई है। जनपदवार देखा जाए तो जिले में सर्वाधिक लाभार्थी बहने जनपद पंचायत किरनापुर में 38920 बहनों को लाडली बहना योजना की अप्रैल माह की राशि अन्तरित की गई है। इसी तरह जपं लांजी में 38873, बालाघाट में 38048, लालबर्रा में 37890, कटंगी में 35363, वारासिवनी में 33560, खैरलांजी में 31837, बिरसा में 27425, परसवाड़ा में 22556 व बैहर में 19765 बहनों के खातों में राशि अंतरित की गई है। वहीं नगर पालिका अंतर्गत बालाघाट में 9008, मलाजखंड में 5932 एवं वारासिवनी में 3837 बहनों को राशि वितरित की गई तथा नगर परिषद बैहर में 2702, कटंगी में 2464 और नपरि लांजी की 2430 बहनों के खातों में राशि अन्तरित की गई है।

### बिना फिटनेश के वाहनों की जाँच कर कार्यवाही करने के आरटीओ को निर्देश

## समर्थन मूल्य पर गेहूँ, चना, सरसों का उपार्जन में अनुपात बढ़ाना आवश्यक

### सीएम हेल्पलाईन के लंबित प्रकरणों का शीघ्र करे निराकरण

**बालाघाट।** कलेक्टर मृणाल मीना ने समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में सभी विभाग प्रमुख से सम्बंधित बिन्दुओ पर जानकारी प्राप्त की। कृषि विभाग प्रमुख से उपार्जन की अपडेट जानकारी लेते हुए कृषि उपसंचालक को गेहूं, चना व सरसो की खरीदी का अनुपात बढ़ाने के निर्देश दिए है। इसके साथ ही उन्होंने जनजातीय विभाग से पीएम जनमन व धरती आबा की जानकारी लेते हुए धरती आबा की पेंडेंसी को शीघ्र क्लियर करने के निर्देश दिए है। जिसमे विशेष रूप से बैहर व लांजी एसडीएम को जनजातीय विभाग प्रमुख के साथ समन्वय कर रिव्यू करने के लिए निर्देशित किया गया है। कलेक्टर श्री मीना ने सभी एसडीएम को निर्देश दिए है कि फारेस्ट रेंजर के साथ समन्वय कर जंगलों में लगने वाली आग तथा आग लगाने वाले दोषियों को धर पकड़ने की कार्यवाही सुनिश्चित करें। बैठक में जिपं सीईओ श्री अभिषेक सराफ, एसडीएम श्री गोपाल सोनी, डिप्टी कलेक्टर श्री एमआर कोल, एसएलआर श्रीमती स्मिता देशमुख एवं अन्य जिला अधिकारी मौजूद रहें। जबकि अनुभागों के एसडीएम व तहसीलदार अपने-अपने मुख्यालयों से वीसी के माध्यम से जुड़ें।

**अभियान चलाकर होंगी वाहनों की जांच**- बैठक के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने जिला परिवहन अधिकारी श्री अनिमेष गढ़पाले को बिना फिटनेस के वाहनों की जांच कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए है।श्री मीना ने कहा कि इन दिनों शादियों का सीजन चल रहा है। इस तरह की स्थिति में वाहनों की अधिक डिमांड रहती है। विभाग तत्परता के साथ अलर्ट रहते हुए किसी अप्रिय होने से पहले सतर्कता के साथ कार्यवाही सुनिश्चित करें। साथ ही निर्देशित किया है कि पुलिस विभाग के सहयोग से अभियान चलाकर चेक पोस्ट लगाकर अभियान चलाये। इसके साथ ही ट्रांसपोर्ट वाली बसों की सतत फिटनेश जांच कार्यवाही निरंतर जारी रखने के लिए कहा गया हैं। कलेक्टर श्री मीना ने बैठक के दौरान समग्र इकेवायसी को लेकर प्रगति रिपोर्ट जानी। उन्होंने कहा कि जितने भी अपात्र व पलायन के केसेस है इसकी रिपोर्ट शीघ्र प्रस्तुत करें। साथ ही पेंडिंग केसेस का शीघ्रता से निराकरण करना सुनिश्चित करें। जेएसओ बालाघाट ने बताया कि 4800 प्रकरण 5 वर्ष से कम के है वहीं 4519 पांच वर्ष से अधिक के प्रकरण है। कलेक्टर श्री मीना ने तहसीलवार जानकारी प्राप्त कर सभी जेएसओ को निर्देश दिए है कि वे शीघ्रता से इकेवायसी में प्रगति लाये।

## दलबल को साथ लेकर देर रात पैदल भ्रमण पर निकले स्लीमनाबाद थाना प्रभारी, अपराधों पर अंकुश लगाने की नाइट पेट्रोलिंग

**कटनी।** क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखते हुए अपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से स्लिमनाबाद थाना प्रभारी अखिलेश दहिया गत रात्रि दलबल को साथ लेकर देर रात क्षेत्र में पैदल ही निकल पड़े। क्षेत्र में बाजार एवं बस्ती में पैदल भ्रमण करते हुए स्लिमनाबाद पुलिस ने संदिग्धों से पूछताछ की एवं आम लोगों को किसी भी आपत्तिजनक स्थिति की सूचना तत्काल पुलिस को देने की समझाइस दी। जानकारी देते हुए स्लिमनाबाद थाना प्रभारी अखिलेश दहिया ने बताया कि अपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने एवं क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन के द्वारा विशेष निर्देश प्रदान किए गए हैं। प्राप्त निर्देशों के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉक्टर संतोष डेहरिया, एसडीओपी प्रभात शुक्ला के मार्गदर्शन में गत रात्रि थाने के स्टाफ को साथ लेकर नाइट पेट्रोलिंग की गई। इस दौरान स्थानीय लोगों एवं व्यापारियों से संवाद करते हुए उन्हें किसी भी आपत्तिजनक स्थिति की सूचना तत्काल पुलिस को देने के लिए समझाइए दी गई साथ ही संदिग्ध अवस्था में यहां वहां घूमते पाए गए आवारा तत्वों से पूछताछ करते हुए उनकी तलाशी भी ली गई।

## धार्मिक कार्य स्वर्ग और मोक्ष का बीज हैः मुनिश्री

### » भव्यता के साथ पंच कल्याणक महा महोत्सव का हुआ समापन

**कटनी, बहोरीवंद।** आज का वर्तमान समाज विज्ञान की प्रगति के चमत्कार को देखकर चमत्कृत है। परिथ फल का आकाशी है, विज्ञान व्रत एक विद्युत बल्ब की प्रकाश यात्रा पर विचार करें तो प्रथम एक सच्चाई यह है कि वायर मी खंबा केवल लाइन सब स्टेशन फिर विद्युत की दूर तक की यात्रा पश्चातज हां से सप्लाई होती है। वहां पर भी अनेकों संयंत्र एक बल्ब के पीछे की प्रकाश व्यवस्था में अनेकों कारणो के पश्चात एक बल्ब प्रकाशित होता हैइसके बावजूद भीयदि सप्लाई बाधित होती है तो अंधेरा ही है यह विज्ञान है, जबकि धार्मिक कार्य का प्रतिफल ऐसा नहीं है जैन आगम के अनुसार साधु का भेष द्रव्य एवं भाव दो तरह का है यदि साधु पूर्ण शुद्ध शुद्धात्म स्वभाव वाला है तो मोक्ष सुनिश्चित है मोक्ष सुनिश्चित है ऐसे हीआपके धार्मिक कार्य हैं आपका श्रद्धा विवेक समर्पण गुरु और परमात्मा की सेवाकरते हैं उससे आपको परंपरा से मोक्ष प्राप्त होगा उक्त आशय के सारगर्भित उद्गार मुनि श्री सुधासागर जी एवं मुनि श्री प्रसाद सागर जी ने बहोरीवंद मे होने वाले पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के समापन अवसर पर श्रीजी को उच्चासन पर विराजमान किया गया तत्वस्वात प्रतिष्ठाचार्य प्रदीप भैया सानिद् में 1008 कलशो से पाशाण से परमात्मा बने भगवान शानिनाथ जी का त्रिलोक तीर्थ जिनालय मे महा मस्तिकाभिषेक तथा यागमंडल विधान के समापन पर विशिष्ट पात्रो एवं सामान्य द्वारा हवन की पूर्णाहुति की गई।

# बाजार में छोटे नोटों की किल्लत, दुकानों और बैंकों से गायब हो रहे 10, 20 और 50 रुपए के नोट

**जबलपुर।** बाजार में छोटे नोटों की किल्लत, दुकानों और बैंकों से गायब हो रहे 10, 20 और 50 के नोट। बाजार में खुल्ले पैसों की कमी हो गई है। तमाम दुकानदार और कारोबारी इससे परेशान हैं। करीब तीन महीने से छोटे नोट गायब होना शुरू हुए और अब किल्लत बढ़ती दिख रही है। हाल ये है कि रिटेलर्स को हर दिन के व्यापार के लिए कमीशन देकर छोटे-नोट और सिक्के बाजार से लेने पड़ रहे हैं। बाजार में अब मांग उठ रही है कि आनलाइन भुगतान पर जोर लगा रही सरकार छोटे नोटों की किल्लत दूर करने पर भी थोड़ा ध्यान दें।

**छोटे नोटों की कमी की शिकायतें आ रही सामने**- इंदौर के साथ आसपास के अन्य शहरों और कस्बों से भी खुले पैसों और छोटे नोटों की कमी की शिकायतें सामने आ रही है। व्यापारी कह रहे हैं कि बैंकों से भी उन्हें पर्याप्त मात्रा में छोटे नोट नहीं मिल रहे। खास तौर पर 10 रुपये, 20 और 50 रुपये के नए नोट बैंक से मिल ही नहीं रहे।

पुराने नोट भी बार-बार कहने के बाद किसी एक ब्रांच से बमुश्किल उपलब्ध हो पाते हैं। शाजापुर के

किराना व्यापारी जयप्रकाश भावसार के मुताबिक दो महीनों में खुल्ले पैसों की किल्लत ज्यादा ही बढ़ गई है। दरअसल आधे से अधिक ग्राहक तो आनलाइन ही भुगतान कर रहे हैं।

**कमीशन देकर खुल्ले पैसे जुटाने में लगे**- ऐसे में रोज की बिक्री से भी काउंटर पर इतने छुट्टे पैसे ही नहीं आ पाते कि दिनभर का काम चल सके। ऐसे में कई बार तो ग्राहकों को लौटाना भी पड़ता है। इंदौर के किराना कारोबारी चेतन आहूजा के मुताबिक व्यापार चलता रहे और ग्राहक छुट्टे पैसों की कमी से लौटे नहीं इसलिए मजबूरी में कुछ कमीशन देकर अब व्यापारी खुल्ले पैसे जुटाने लगे हैं।

**बैंकों के पास नहीं छोटे नोट**- बाजार में चलन और दुकानदारों के गल्ले से ही छोटे नोट गायब नहीं हुए हैं असल में बैंकों के पास भी छोटे नोटों की कमी है। इंदौर में बैंक आफ बड़ौदा की मैनेजर ने नेहा वर्मा कहती हैं आमतौर पर बैंक सीमित मात्रा में ही छोटे नोट रखते हैं। बीते दिनों से करेंसी चेस्ट से भी छोटे नोटों की आपूर्ति कम हो गई है। कई ग्राहक सिर्फ नए-कड़क नोटों की मांग करते हैं। छोटे नोटों की ऐसे बंडल मुश्किल से ही बैंक में आ रहे हैं। कुछ खातेदार जब मांगते हैं तो उन्हें पुराने छोटे नोट उपलब्ध करवाए जाते हैं यह जरूर है कि इन दिनों उन्हें थोड़ा इंतजार करना पड़े। बैंक ऑफ इंडिया में मुंबई जोनल ब्रांच में मैनेजर अदिति पवार कहती है कि हमारे यहां चेस्ट में भी 10-20 और 50 रुपये नोट की उपलब्धता बीते महीनों में कम रह गई है।

**सिक्कों में कोई कमी नहीं**- माना जा रहा है कि छोटे नोटों पर छपाई की लागत कई बार उनके मूल्य से ज्यादा हो जाती है, जबकि प्रचलन में ज्यादा रहने से उनका जीवनकाल कम होता है। सूचना मिल रही है कि बीते समय से छोटे नोटों की छपाई कम होने से बैंकों में भी उपलब्ध सीमित है। हालांकि सिक्कों की उपलब्धता में कोई कमी नहीं है, लेकिन सिक्के लेने से कई बार व्यापारी गुरेज करते हैं। कन्फडरेशन आफ आल इंडिया ट्रेडर्स (केट) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रमेश गुप्ता कहते हैं कि भले ही सरकार आनलाइन लेन-देन को बढ़ावा दे, लेकिन छोटे नोटों की उपलब्धता भी बरकरार रखना चाहिए।

## माधव नगर की अवैध कालोनी में निर्मित अनधिकृत निर्माण कार्यों का महापौर एवं निगमायुक्त ने किया निरीक्षण

**कटनी** - बारिश के दौरान नागरिकों को जलभराव की समस्या का सामना न करना पड़े इस हेतु महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी द्वारा मंगलवार को निगमायुक्त श्री नीलेश दुबे के साथ माधवनगर पहुंचकर निर्मित अवैध कालोनी में दो बड़े नालों को पाटकर तथा उनका रास्ता डायवर्ट कर नियम विरुद्ध तरीके से कराए जा रहे निर्माण कार्यों का मौका निरीक्षण किया गया। इस दौरान महापौर एवं निगमायुक्त को स्थानीय नागरिकों एवं निगम के क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने बताया कि स्थल पर कई दिनों से अवैध कॉलोनी का निर्माण कार्य चल रहा है। स्थल पर दो पुराने नालों को पाटकर उनके ऊपर निर्माण करने तथा नाले की दिशा परिवर्तित करने के कारण पानी का बहाव रुक जाने से बारिश के दौरान बस्ती में जलभराव की समस्या का सामना करने की जानकारी दी गई। जिसपर महापौर एवं निगमायुक्त ने स्थानीय नागरिकों के साथ पूरी अवैध कालोनी में कराए गए निर्माण कार्यों का पैदल चलकर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दिशा परिवर्तित नाले से पानी की निकासी बाधित पाए जाने पर निगमायुक्त श्री दुबे ने अवैध कालोनी स्थल के खसरे, भू स्वामी एवं मद आदि की जांच कर दोषियों पर विधि संगत कार्यवाही करने के निर्देश दिए। वर्षा काल के दौरान स्थल पर पानी भराव की समस्या न हो इस हेतु अभी से लेआउट के आधार पर पानी निकासी की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश निगमायुक्त ने अधिकारियों को दिए । इस दौरान मेयर इन काउंसिल सदस्य सर्व श्री जयनारायण निषाद, सुभाष साहू, डॉ रमेश सोनी, गोविंद चावला एड.सुरेन्द्र गुप्ता पार्षद उमेन्द्र अहिरवार, ईश्वर बहरानी, श्रीमती सीमा श्रीवास्तव, पूर्व पार्षद राजकिशोर यादव, कमलेश चौधरी, डब्बू रजक राजू माखीजा, सहित निगम के अन्य अधिकारियों की भी मौजूदगी रहीं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मिनाक्षी पांडेय द्वारा डीके ऑफसेट प्रिंटर्स 50/6 शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से मुद्रित एवं 111/44, शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से प्रकाशित ।
संपादक मिनाक्षी पांडेय एवं स्थानीय संपादक मनीष पांडेय मो.न- 7566293490 मेल sadhnaexpress@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल म.प्र रहेगा । )| RNI NO. MPHIN/2022/84698